वर्ष-10 अंक-257 पृष्ठ- 8 मूल्यः 3 रूपये

प्रयागराज, बुधवार 25 दिसम्बर 2024

नगर संस्करण

TM

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित एवं सम्पूर्ण भारत वर्ष में प्रसारित

Download From

Adhunik Samachar

आधुनिक समाचार नेटवर्क

संक्षिप्त समाचार

अमित शाह ने की नए कानूनों की समीक्षा, बोले- बायोमैट्रिक तकनीक से करें अज्ञात शवों की पहचान

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। गृह मंत्री ने कहा कि पीड़ितों और शिकायतकर्ताओं को लाभ पहुंचाने के लिए सभी आपराधिक मामलों के पंजीकरण से लेकर उसको निपटाने तक सभी चरणों के लिए समयसीमा तय की जाए। इसके अलावा जांच अधिकारियों के साथ ही वरिष्ठ अधिकारियों को भी समय सीमा के मुताबिक अलर्ट भेजे जाएं। ताकि जांच प्रक्रिया में तेजी लाई जा सके। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के अधिकारियों के साथ नए आपराधिक कानूनों को लेकर समीक्षा बैठक की। इस दौरान केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि अज्ञात शवों और अज्ञात लोगों की पहचान बायोमैट्रिक तकनीक से की जाए। साथ ही आपराधिक मामलों की जांच में भी तकनीक के प्रयोग को बढ़ावा दिया जाए। गृह मंत्री ने कहा कि पीड़ितों और शिकायतकर्ताओं को लाभ पहुंचाने के लिए सभी आपराधिक मामलों के पंजीकरण से लेकर उसको निपटाने तक सभी चरणों के लिए समयसीमा तय की जाए। इसके अलावा जांच अधिकारियों के साथ ही वरिष्ठ अधिकारियों को भी समय सीमा के मुताबिक अलर्ट भेजे जाएं। ताकि जांच प्रक्रिया में तेजी लाई जा सके। बैठक में अखिल भारतीय स्तर पर अपराध और अपराधी ट्रैकिंग नेटवर्क और सिस्टम (सीसीटीएनएस 2.0), फिंगरप्रिंट पहचान प्रणाली (एनएएफआईएस), जेल, न्यायालय, अभियोजन और फॉरेंसिक को आईसीजेएस 2.0 के साथ जोड़ने को लेकर चल रही प्रक्रिया को लेकर हुई प्रगति की समीक्षा की गई। गृह मंत्री ने एनसीआरबी से आईसीजेएस 2.0 में नए आपराधिक कानूनों को लागू करने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि हर राज्य और केंद्र शासित प्रदेश में ई-साक्ष्य, न्याय श्रुति, ई-साइन और ई-सम्मन एप के उपयोग पर जोर दिया जाए। इसके साथ ही गृह मंत्रालय और एनसीआरबी अधिकारियों की टीम राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों का दौरा करे। टीमें एप समेत नई तकनीकी जानकारियां देने और उन्हें लागू करने में राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों की मदद करे। इसके साथ ही राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों के वरिष्ठ पुलिस संरचनाओं के साथ नियमित बातचीत की जाए। उन्होंने कहा कि एनसीआरबी को जांच अधिकारियों और आपराधिक न्याय प्रणाली से जुड़े लोगों की मदद के लिए विस्तृत डाटा तैयार करना चाहिए।

श्रीलंका से तमिलनाडु के मछुआरों की रिहाई कराएं' सीएम स्टालिन ने विदेश मंत्री जयशंकर को लिखा पत्र

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने विदेश की घटना का जिक्र किया है, जिसमें श्रीलंकाई नौसेना ने रामेश्वरम के 17 मछुआरों को उनकी नौका के घटनाओं की वजह से मछुआरों की जिंदगी संकट में आ गई है। मछुआरे अपने पारंपरिक जल क्षेत्र पर निर्भर

मंत्री एस जयशंकर से अपील की कि वह कूटनीतिक चैनलों के जरिए श्रीलंका से तमिलनाडु के मछुआरों और उनकी नौकाओं की तत्काल रिहाई सुनिश्चित करें और भविष्य में ऐसे हमलों को रोकने के लिए कदम उठाएं।तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के.स्टालिन ने मंगलवार को विदेश मंत्री एस जयशंकर को पत्र लिखा, जिसमें उन्होंने श्रीलंकाई सेना द्वारा गिरफ्तार किए गए मछुआरों की तत्काल रिहाई के लिए कूटनीतिक प्रयास करने की अपील की है। इसके साथ ही उन्होंने मछुआरों पर होने वाले हमलों को रोकने के लिए भी कदम उठाने की मांग की। पत्र में स्टालिन ने आज साथ गिरफ्तार किया है। इन नौकाओं का पंजीकरण नंबर आईएनडी-टीएन-10-एमएम-206 और आईएनडी-टीएन-10-एमएम-543 था। इसके अलावा, मुख्यमंत्री ने 20 दिसंबर 2024 को नागपट्टिनम जिले के कोडियरक्कारई गांव में मछुआरों पर हुए हमले का भी जिक्र किया। छह अज्ञात श्रीलंकाई नागरिकों ने दो मछली पकड़ने वाली नौकाओं पर हमला किया था, जिसमें तीन मछुआरे घायल हो गए। हमलावरों ने मछुआरों से जीपीएस उपकरण, वीएचएफ उपकरण, मछली पकड़ने की जाल, मोबाइल फोन और मछलियां लूट ली थीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस तरह की हैं और उन्हें बार-बार गिरफ्तारी व हमलों का सामना करना पड़ता है। 2024 में अब तक 530 मछुआरो को गिरफ्तार किया गया है और 71 मछली पकड़ने वाली नौकाओं को जब्त किया गया है स्टालिन ने विदेश मंत्री जयशंकर से अपील की कि वह कूटनीतिक चैनलों के जरिए मछुआरों और उनकी नौकाओं की तत्काल रिहाई सुनिश्चित करें और भविष्य में ऐसे हमलों को रोकने के लिए कदम उठाएं। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि इस तरह की घटनाएं मछुआरों के बीच डर और अनिश्चितता पैदा कर रही हैं, जो केवल मछली पकड़ने पर ही निर्भर रहते हैं।

लाडकी बहिन योजना के तहत सहायता का हस्तांतरण शुरू, 2.34 करोड़ महिलाओं को मिलेगा फायदा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मंगलवार को कहा कि हरित ऊर्जा अपनाकर राज्य के किसान जल्द ही दूसरी हरित क्रांति का नेतृत्व कर सकेंगे। उन्होंने कहा 1500 रुपये भेजेगी। बीते महीने हुए विधानसभा चुनाव में महायुति की जीत में इस योजना की अहम भूमिका बताई जा रही है। राज्य की मंत्री अदिति तटकरे ने बताया कि लाडकी बहिन योजना के राज्य

कि किसानों को दिन के समय बिजली उपलब्ध कराने के लिए पूरे राज्य में सौर ऊर्जा से चलने वाले गांव विकसित किए जा रहे हैं। महाराष्ट्र में लाडकी बहिन योजना के तहत आर्थिक मदद का लाभार्थियों के खातों में हस्तांतरण फिर से शुरू हो गया है। राज्य में चुनाव आचार संहिता लागू होने के चलते योजना के तहत हस्तांतरण बीते कुछ दिनों से बंद था। राज्य की महिला एवं बाल विकास मंत्री अदिति तटकरे ने यह जानकारी दी। तटकरे ने बताया कि योजना के तहत किस्तों का वितरण चरणों में किया जाएगा।लाडकी बहिन योजना के तहत राज्य सरकार हर लाभार्थी महिला के बैंक खाते में 2.34 करोड़ लाभार्थी हैं। योजना के तहत सरकार ने 2,100 रुपये प्रति माह देने का वादा किया है। जब इसके बारे में पूछा गया तो तटकरे ने कहा कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पहले ही कह चुके हैं कि अगले बजट के दौरान इस पर फैसला किया जाएगा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मंगलवार को कहा कि हरित ऊर्जा अपनाकर राज्य के किसान जल्द ही दूसरी हरित क्रांति का नेतृत्व कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि किसानों को दिन के समय बिजली उपलब्ध कराने के लिए पूरे राज्य में सौर ऊर्जा से चलने वाले गांव विकसित किए जा रहे हैं।

मैरी क्रिसमस

सभी जनपद वासियों को आधुनिक समाचार के परिवार की क्रिसमस की हार्दिक शुभकामनाऐं

सीटी रवि और हेब्बलकर मामले की सीआईडी करेगी जांच; बीजेपी नेता बोले- अगर दबाव है तो कोई न्याय नहीं दे सकता

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। लक्ष्मी हेब्बलकर ने भाजपा नेता सीटी रवि पर

अपमानजनक शब्द का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया है। इस पर लगातार सियासी विवाद बढ़ता जा रहा है। वहीं, बढ़ते विवाद को देखते हुए गृह मंत्रालय ने सीआईडी जांच कराने का आदेश दिया। कर्नाटक में भाजपा एमएलसी सीटी रवि और बाल कल्याण मंत्री लक्ष्मी हेब्बलकर के बीच लगातार विवाद बना हुआ है। बढ़ते मामले को देखते हुए राज्य गृह मंत्री जी परमेश्वर ने बड़ा फैसला लिया। उन्होंने मामले की जांच आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) से कराने के आदेश दिए हैं। बता दें, मंत्री हेब्बलकर ने भाजपा नेता पर विधानसभा परिषद में अपमानजनक टिप्पणी करने का आरोप लगाया है। हालांकि, विधान परिषद के अध्यक्ष बसवराज होरट्टी ने सोमवार को साफ कह दिया कि वायरल की जा रही बातचीत फर्जी है। अधिकारियों के अनुसार, 19 दिसंबर को सुवर्ण विधान सौधा में रवि पर हमला करने की कोशिश के लिए अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ दर्ज एक मामला भी सीआईडी को सौंप दिया गया है। लक्ष्मी हेब्बलकर ने भाजपा नेता सीटी रवि पर अपमानजनक शब्द का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया था। उनका कहना था कि जब होरट्टी ने सदन को थोड़ी देर के लिए स्थगित किया था, उसके कुछ ही समय बाद रवि ने अपमानजनक बात कही थी। मंत्री के आरोप के बाद बेलगावी में सुवर्णा विधान सौधा परिसर में रवि को गिरफ्तार कर लिया गया था। हालांकि, कर्नाटक हाईकोर्ट ने उन्हें जमानत दे दी थी, यह कहते हुए कि गिरफ्तारी नियमों के अनुसार नहीं की गई थी।परमेश्वर ने कहा, 'मैं इस पर ज्यादा कुछ बोलना नहीं चाहता हूं। मैंने सीआईडी जांच का आदेश दिया है। ऐसे में जब जांच चल रही है, तो कोई इस बारे में टिप्पणी नहीं कर सकता या बयान नहीं दे सकता।' विधान परिषद के सभापति बसवराज होरट्टी द्वारा इसे 'बंद अध्याय' करार दिए जाने के बाद सीआईडी जांच के आदेश पर उन्होंने कहा कि पुलिस को अपना कर्तव्य निभाना होगा। सभापति अपना कर्तव्य निभाएंगे। रवि पर हमले के कथित प्रयास में एफआईआर दर्ज करने में पांच दिन की देरी के सवाल पर उन्होंने कहा, 'सब कुछ विचार करने और परिषद के सभापति की राय लेने के बाद, जब प्रक्रियागत तरीके से काम किया जाता है, तो देरी हो सकती है।उन्होंने कहा, 'हर चीज सही तरीके से होनी चाहिए, इसलिए हमने तथ्यों का पता लगाने और जांच करने के लिए इसे सीआईडी को सौंपा है। रवि ने कहा है कि उन्होंने अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल नहीं किया है, लेकिन गवाहों सहित अन्य लोग कुछ और कहते हैं, इस सबकी जांच होनी चाहिए, इसलिए मैंने सीआईडी जांच का आदेश दिया है।'बेलगावी पुलिस आयुक्त इडा मार्टिन मारबानियांग ने बताया कि रवि के खिलाफ लगे आरोप और उन पर हमले की कोशिश से जुड़े मामले दोनों को सीआईडी को सौंप दिया गया है। आगे की जांच सीआईडी करेगी सीआईडी जांच पर भाजपा नेता रवि ने कहा कि अगर सीआईडी जांच करती है तो इसे मौजूदा न्यायाधीश की निगरानी में किया जाए और रिपोर्ट न्यायाधीश को सौंपी जाए। उन्होंने कहा, 'अगर विभाग द्वारा बिना किसी दबाव के ईमानदारी से जांच की जाती है, तो हिरेबागेवाड़ी पुलिस स्टेशन पर्याप्त था। अगर किसी दबाव में काम नहीं किया जाता है, चाहे वह पुलिस कांस्टेबल हो या सीआईडी हो, कोई भी न्याय दे सकता है, अगर दबाव है तो कोई भी न्याय नहीं दे सकता है।

क्रिसमसः एकता, प्रेम और सेवा त्योहार- फादर इसिडोर डिसोजा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। किसमस, जो ईसा मसीह के जन्मदिन के रुप में मनाया जाता है, केवल एक धार्मिक त्योहार नहीं है यह प्यार, शांति और एकता कापतीक है, जिसे सभी धर्मो के लोग जाति, धर्म और संस्कृति की सीमाओं को भूलकर एक-दूसरे के साथ ,खुशी और सौहार्द बॉटतं है ईसाई समुदाय के लिए यह ईश्श्वर के अवतार का पर्व है, लेकिन हिंदू, मुस्लिम सिख और अन्य धर्मो के लोग भी इसे मानवता और बंधुत्व के त्योहार के रुप मे अपनाते है जिस प्रकार हिन्दुओं के पर्व दिवाली के अवसर पर दीप जलाकर अन्य धर्मावलांबी भी अपना उत्साह दिखाते है उसी प्रकार मसीही त्योहार क्रिसमस के अवसर पर किसमस ट्री व स्टार लगाकर अपनी खुशी का इजाहार करते है। क्रिसमसका अर्थ केवल यीशु मसीह का जन्मदिन मनाना नही है बल्कि यह हमें दया सेवा और एकता का संदेश देता है। यह पर्व याद दिलाता है कि प्यार और परोपकार ही इंसानियत की असली पहचान है। महात्मा गांधी ने भी कहा था, मानवता की सच्ची सेवा ही ईश्श्वर की सच्ची पूजा है। क्रिसमस हमें इसी सेवा भावना को अपनाने के लिए प्रेरित करता है। भारत जैसे विविध संस्कृति वाले देश में, क्रिसमस केवल ईसाई धर्म तक सीमित नही है। हिंदू मुस्लिम सिख और अन्य धमो के लोग भी इस पर्व को समान उत्साह से मनाते है। चर्चो मे मोमबत्यिॉ जलाना केक काटना, गरीबों को भोजन करना और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करना इस पर्व को सार्वभौमिक बनाता है। प्रधानमंत्री नरेद्र मोदी ने एक बार कहा था, त्योहार हमारी विविधता मे एकता का प्रतीक है। यह क्रिसमस पर भी बिल्कुल सही बैठता है। यह पर्व हमें बताता है कि सभी धर्म प्रेम और मावनवता का संदेश देते है। हाल के वर्षो मे क्रिसमस का मूल उद्वेश्य कही खोता जा रहा है। महंगे उपहार, ब्रांडेड

फादर इसिडोर डिसोजा
प्रशासक, नाजरेथ अस्पताल

सजावट और शॉपिंग मॉल की चम-दमक ने इसे व्यावसायिक बना दिया है। लोग अब प्यार औश्र सेवा की बजाय भौतिक चीजों को अधिक महत्व देने लेगे है। मदर टेरेसा ने कहा था, हम दुनिया मे बडे काम नही कर सकते, लेकिन छोटे काम बडे प्यार से कर सकते है। यह संदेश हमे याद दिलाता है कि क्रिसमस केवल दिखावे का पर्व नही, बल्कि सादगी औश्र सेवा का त्योहर है। भारत मे संप्रदायिक तनाव और नफरत के बीच क्रिसमस जैसे त्योहार भी प्रभावित हो रहे है। चर्चो पर हमले कैरोल गाने वालों को धमकियॉ और नफरत भरे बयान इस त्योहार की पवित्रता को चोट पहुचाते है। राष्ट्रपति श्रीमति द्रौपदी मुर्मू ने अपने एक भाषण मे कहा था, त्योहार हमें जोडने का काम करते है, तोडने का नही। यह समय है कि हम इस संदेश को आत्मसात करें और सांप्रदायिकता को खारिज करें। क्रिसमस को सही आर्थो मे मनाने का मतलब है जरुरतमंदो की मदद करना, अनाथ बच्चों के चेहरे पर मुस्कान लाना और उन लोगों को साथ लेकर चलना जो हाशिए पर है। ईसा मसीह का जीवन हमें सिखाता है कि सादगी, सेवा और प्रेम ही सच्चे मूल्य है। एक उदाहरण के स्प मे, पिछले साल केरल के एक चर्च ने क्रिसमसपर महंगे कार्यक्रमों की जगह गरीबों के लिए मुफ्त चिकित्या शिविर आयोजित किया। यह सच्चे क्रिसमस उत्सव का उदाहरण है। इस क्रिसमस के अवसर पर आइए हम यह प्रण लें कि इसे ादगी और सेवा के साथ मनाऍगे। हम जरुरतमंदों की मदद करेंगे, सांप्रदायिकता को नकारेगे और प्रेम, शांति और मानवता का संदेश फैलाऍगे। ईसा मसीह ने काह था जो सबसे छोटों के लिए करते हो वह मेरे लिए करते हो। आइए इस संदेश को अपने जीवन में उतारें और क्रिसमस को मानवता का त्योहार बनाऍ। सभी को क्रिसमस की शुभकामनाऍ। आइए इसे सच्चे अर्थो मे मनाऍ और इसे शांति प्रेम और सेवा का पर्व बनाऍ।

भाजपा ने कहा- दिल्ली में संजीवनी नाम की कोई योजना नहीं, निजी जानकारी न देने की अपील की

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। सुषमा स्वराज की पुत्री बांसुरी स्वराज ने आज एक प्रेस कांफ्रेंस कर कहा कि दिल्ली विधानसभा चुनाव में अपनी हार को देखते हुए अरविंद केजरीवाल अब प्रतिदिन एक नई घोषणा कर रहे हैं। इसके जरिए वे अपनी उन नाकामियों को छिपाने का काम कर रहे हैं जो वे आज तक नहीं कर पाए। भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज ने दावा किया है कि दिल्ली में संजीवनी योजना के नाम की कोई योजना नहीं चल रही है। लेकिन इसके बाद भी आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता लोगों से आधार कार्ड, मोबाइल फोन नम्बर और मतदाता पत्र मांग रहे हैं। उन्होंने लोगों को सावधान किया कि वे अपनी निजी जानकारी किसी से साझा न करें, इससे बड़ा फ्रॉड हो सकता है। सुषमा स्वराज की पुत्री बांसुरी स्वराज

ने आज एक प्रेस कांफ्रेंस कर कहा कि दिल्ली विधानसभा चुनाव में अपनी हार को देखते हुए अरविंद केजरीवाल अब प्रतिदिन एक नई घोषणा कर रहे हैं। इसके जरिए वे अपनी उन नाकामियों को छिपाने का काम कर रहे हैं जो वे आज तक नहीं कर पाए। उन्होंने कहा कि पूरे देश के लोग पांच लाख रुपए की आयुष्मान योजना का लाभ ले रहे हैं, लेकिन अरविंद केजरीवाल ने राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी होने के कारण दिल्ली के लोगों को इसका लाभ नहीं लेने दिया। बांसुरी ने कहा कि केजरीवाल पूरी दिल्ली को आज तक साफ पानी नहीं दे पाए, लेकिन अब चुनाव के समय एक नल से पानी पीने का नाटक कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अब तक दिल्ली के हर एक व्यक्ति को साफ पानी मिल जाना चाहिए था, लेकिन केजरीवाल 10 साल में भी यह काम नहीं कर पाए। उन्होंने कहा कि दिल्ली की जनता अब केजरीवाल को अवसर नहीं देगी।

आंबेडकर मुद्दे पर कांग्रेस पर पलटवार की तैयारी बीजेपी शासित राज्यों के सीएम करेंगे प्रेस कॉन्फ्रेंस

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। शाह ने पिछले हफ्ते

राज्यसभा में संविधान पर चर्चा के दौरान आंबेडकर पर बयान दिया था। इसके विरोध में कांग्रेस ने आंबेडकर सम्मान सप्ताह शुरू किया है, जिसके तहत पार्टी कार्यकर्ता और नेता देशभर में रैली और प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित करेंगे। अब भाजपा ने भी कांग्रेस को इस मुद्दे पर जवाब देने की तैयारी की है। संसद के शीतकालीन सत्र में बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर को लेकर की गई शाह कर टिप्पणी को लेकर कांग्रेस लगातार भाजपा पर आरोप लगा रही है। अब भाजपा ने भी कांग्रेस को जवाब देने की तैयारी कर ली है। भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्री प्रेस कॉन्फ्रेंस करके कांग्रेस की पोल खोलेंगे। साथ ही संविधान निर्माता के अपमान के मुद्दे पर कांग्रेस को घेरेंगे।शाह ने पिछले हफ्ते राज्यसभा में संविधान पर चर्चा के दौरान आंबेडकर पर बयान दिया था। कांग्रेस ने आरोप लगाया था कि शाह ने आंबेडकर का अपमान किया।

चुनाव संचालन नियम में संशोधन का मामला पहुंचा सुप्रीम कोर्ट, कांग्रेस ने दायर की रिट याचिका

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। सरकार ने सीसीटीवी कैमरे और वेबकास्टिंग फुटेज के साथ-साथ उम्मीदवारों की वीडियो रिकॉर्डिंग जैसे कुछ इलेक्ट्रॉनिक दस्तावेजों के सार्वजनिक निरीक्षण को रोकने के लिए चुनाव से संबंधित नियम में बदलाव किया है, ताकि उनका दुरुपयोग रोका जा सके। चुनाव संचालन नियम में संशोधन का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। कांग्रेस ने कुछ इलेक्ट्रॉनिक दस्तावेजों के सार्वजनिक निरीक्षण को रोकने के लिए निर्वाचन संचालन नियम में बदलाव किए जाने को मंगलवार को

शीर्ष कोर्ट में चुनौती दी। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने इसकी जानकारी दी है। जयराम रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'निर्वाचन संचालन नियम, 1961 में हाल के संशोधनों को चुनौती देते हुए उच्चतम न्यायालय में एक रिट याचिका दायर की गई है।'उन्होंने कहा, 'निवार्चन आयोग एक संवैधानिक निकाय है। इस पर स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने की जिम्मेदारी है, इसलिए इसे एकतरफा और सार्वजनिक विचार-विमर्श के बिना इतने महत्वपूर्ण नियम में इतनी निर्लज्जता से संशोधन करने की इजाजत नहीं दी जा सकती है।

डाक पंजीयन नं.AD-326/2024-2026 -website:www.aadhuniksamachar.com- E-mail:-adhuniksamachar2024@gmail.com आधुनिक समाचार

कलक्टर हैं, शूरवीर नहीं जो स्वतंत्र विभागों पर चलाएं अपना हुक्म

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि ब्रिटिश काल से ही जिले में कलक्टर अपनी हुकूमत कायम रखने का दावा करते रहे

हैं। लेकिन, वह कलक्टर हैं, शूरवीर नहीं...जो स्वतंत्र निगमों या विभागों पर अपना हुक्म चलाएं। डीएम राजस्व को छोड़ किसी अन्य स्वतंत्र विभाग के कर्मचारियों के खिलाफ जांच कराने व निलंबित करने का फरमान नहीं सुना सकते। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि ब्रिटिश काल से ही जिले में कलक्टर अपनी हुकूमत कायम रखने का दावा करते रहे हैं। लेकिन, वह कलक्टर हैं, शूरवीर नहीं...जो स्वतंत्र निगमों या विभागों पर अपना हुक्म चलाएं। डीएम राजस्व को छोड़ किसी अन्य स्वतंत्र विभाग के कर्मचारियों के खिलाफ जांच कराने व निलंबित करने का फरमान नहीं सुना सकते। यह तल्ख टिप्पणी कर न्यायमूर्ति जेजे मुनीर की अदालत ने बलिया के विद्युत वितरण खंड द्वितीय में तैनात इलेक्ट्रिशियन दुष्यंत कुमार राय के निलंबन पर अग्रिम आदेशों तक रोक लगा सवेतन बहाल कर दिया। साथ ही सरकार से दो हफ्ते में जवाबी हलफनामा तलब किया है। याची पर बिजली बिलों में हेराफेरी व फर्जी एफआईआर दर्ज करने की धमकी देकर जबरन वसूली का आरोप लगा था। आयुष एवं खाद्य सुरक्षा विभाग के स्वतंत्र प्रभार मंत्री की शिकायत पर बलिया के डीएम ने सीडीओ से जांच कराई। इसके बाद याची के खिलाफ कार्रवाई की संस्तुति कर दी। डीएम के आदेश पर आजमगढ़ के विद्युत विभाग मुख्य अभियंता ने याची को 17 अक्तूबर 2024 को निलंबित कर दिया। इस पर याची ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। अधिवक्ता प्रभाकर अवस्थी ने दलील दी कि निलंबन की कार्रवाई राजनीति से प्रेरित है। विद्युत विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों के खिलाफ आदेश देना डीएम के क्षेत्राधिकार में नहीं है। कोर्ट ने याची के निलंबन पर रोक लगाते हुए तल्ख टिप्पणी की।जनप्रतिनिधियों को डीएम के खिलाफ शिकायत का अधिकार कहा कि बेशक मंत्री व जनप्रतिनिधियों को न केवल विद्युत विभाग, बल्कि जिला मजिस्ट्रेट के खिलाफ भी शिकायत दर्ज कराने का अधिकार है। उनकी शिकायतों पर गंभीरता से ध्यान दिया जाना चाहिए। लेकिन, सवाल यह है कि ध्यान किसकी ओर से दिया जाएगा? प्रथम दृष्टया डीएम को विद्युत वितरण निगम के मामलों में हस्तक्षेप करने का कोई हक नहीं है। यदि किसी जनप्रतिनिधि की राय में किसी निगम के कर्मचारी या लोकसेवक के आचरण की जांच की आवश्यकता है तो उसकी शिकायत संबंधित विभाग के सक्षम अनुशासनात्मक प्राधिकारी से की जानी चाहिए। यदि डीएम को किसी मंत्री से कोई शिकायत मिलती भी है तो डीएम को उसे विनम्रतापूर्वक संबंधित विभाग के प्रबंध निदेशक या मुख्य अभियंता को प्रेषित कर देना चाहिए। खुद को शूरवीर समझकर कार्रवाई करने का फरमान नहीं देना चाहिए। मंत्री का आदेश डीएम को किसी भी स्वतंत्र विभागों के कामकाज में हस्तक्षेप करने का अधिकार नहीं देता है।

फायर सेफ्टी ऑफिसर समस्त विशिष्ट भवनों में आवश्यक

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

प्रयागराज। विशिष्ट भवनों में फायर सेफ्टी ऑफिसर नियुक्त होने से अग्नि सुरक्षा उपकरणों की कार्य शीलता बढ़ जाएगी उसको चलाने का निरन्तर अभ्यास होने से किसी अग्निदुर्घटना होने पर तत्काल अग्नि शमन की कार्यवाही हो सकेगी और जन जीवन की सुरक्षा के साथ संपति की सुरक्षा हो सकेगी त् फायर सेफ्टी ऑफिसर और सहायक फायर सेफ्टी ऑफिसर नियुक्त होने पर रोजगार का अवसर बढ़ेगा और फायर सेफ्टी कोर्स की उपयोगिता भी बढ़ेगी। और भवन स्वामी आग के प्रति जागरुक भी सदैव जागरुक रहेंगे डॉ0 आर के पाण्डेय सीएफओ कमिश्नरेट प्रयागराज भवन परिसर में अग्निशमन कर्मी 24 घंटे में 08 - 08 घंटे शिफ्टवार ड्युटी करेंगे और आग लगने पर अपने संस्थान में लगे अग्निशमन उपकरणों से अग्निशमन कार्य करेंगे और फायर सर्विस को सूचना देंगे अग्नि शमन कर्मी को पूरे संस्थान की विस्तृत जानकारी रखनी होगी जो अग्नि शमन कार्य में फायर सर्विस को पूरी जानकारी देंगे संस्थान के अग्नि शमन कर्मी को सीढ़ी, रैंप, सभी निकास मार्गो का पूर्ण ज्ञान होना चाहिए जिससे जीव रक्षा कार्य करने में काफी आसानी होगी।

विशिष्ट श्रेणी के भवनों के लिए फायर सेफ्टी आफिसर की नियुक्ति अनिवार्य कर दी गयी है

चीफ फायर ऑफिसर श्री आर के पांडेय ने बताया कि शासन के आदेशा नुशार और पुलिस महानिदेशक अग्निशमन एवम आपात उत्तर प्रदेश के आदेश के अनुपालन में अब बड़ी इमारतों, होटल व अस्पताल संचालकों को अपने यहां फायर सेफ्टी आफिसर रखने होंगे। इन कर्मचारियों की नियुक्ति पत्र चीफ फायर ऑफिसर कार्यालय से जारी होगा जबकि वेतन का भुगतान भवन स्वामी करेंगे। अग्निशमन विभाग मानकों के अनुसार फायर सेफ्टी आफिसर भवन परिसर में शिफ्टवार डियूटी देंगे और भवन में स्थापित अग्निशमन उपकरणों का रख-रखाव करेंगे। भवन में दुर्घटना होने पर अग्निशमन विभाग को सूचित करते हुए अग्निशमन कार्य करेंगे। सीएफओ श्री आर के पांडेय ने बताया कि प्रयागराज में महाकुम्भ 2025 का भी आयोजन होने वाला है तो अधिक भीड़ व यदा कदा ट्रैफिक जाम की भी समस्या से अग्निशमन वाहनों के पहुचने में दिक्कतों का सामना करते हुए समय लग सकता है । अतः ऐसी परिस्थिति से बचने के लिए अब उक्त भवनों में फायर सेफ्टी ऑफिसर / कर्मी नियुक्त करने का निर्देश भवन स्वामियों को दिया गया है ताकि अग्नि दुर्घटना पर त्वरित रिस्पॉन्स से जान माल की क्षति को कम किया जा सके। ये नियुकि 1 जनवरी 2025 से पहले करने का निर्देश दिया गया है। इसकी योग्यता क्या होगी ये अग्निशमन विभाग कार्यालय से प्राप्त किया सकता है।

चीफ फायर ऑफिसर ने कहा

1. बड़ी इमारतों, होटल व अस्पताल संचालकों एक जनवरी तक का दिया समय। 2. आग लगने की स्थिति में ये कर्मचारी निभायेंगे अहम रोल, रिस्पान्स टाइम में आयेगी कमी । 3. कर्मचारियों के योग्यता की परख करेगा अग्निशमन विभाग जांच के बाद यहां से जारी होगा नियुक्ति पत्र भवन मानक-24 मीटर से अधिक ऊंचे गैर आवासीय इमारतें 45 मीटर से अधिक ऊंचे आवासीय भवन 15 मीटर से ऊंचे अस्पताल, मेडिकल कॉलेज या अन्य संस्थान चार सितारा व उससे ऊंचे होटल लो हेजार्ड इंडस्ट्रीज जिनका भू आच्छादन 10000 वर्गमीटर, माडरेट हेजार्ड जिनका भू आच्छादन 5000 वर्गमीटर व हाई हेजार्ड जिनका भू आच्छादन 2000 वर्गमीटर एसेम्बनी या शैक्षणिक भवन जिनकी ऊंचाई 25 मीटर से अधिव कामर्शियल कॉम्प्लैक्स जिनका भू-आच्छादन 2000 वर्गमीटर से अधिक सिनेमा हाल जिनकी क्षमता 500 व्यक्तियों की बैठने की हो ।

डॉ0 आर के पाण्डेय सीएफओ कमिश्नरेट प्रयागराज

विशिष्ट भवनों में फायर सेफ्टी ऑफिसर नियुक्त होने से अग्नि सुरक्षा उपकरणों की कार्य शीलता बढ़ जाएगी उसको चलाने का निरन्तर अभ्यास होने से किसी अग्निदुर्घटना होने पर तत्काल अग्नि शमन की कार्यवाही हो सकेगी और जन जीवन की सुरक्षा के साथ संपति की सुरक्षा हो सकेगी त् फायर सेफ्टी ऑफिसर और सहायक फायर सेफ्टी ऑफिसर नियुक्त होने पर रोजगार का अवसर बढ़ेगा और फायर सेफ्टी कोर्स की उपयोगिता भी बढ़ेगी। और भवन स्वामी आग के प्रति जागरुक भी सदैव जागरुक रहेंगे डॉ0 आर के पाण्डेय सीएफओ कमिश्नरेट प्रयागराज।

कौशलं बलम्

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE

(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)

सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी

फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड

कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है।

रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज,पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

(वरिष्ठ आई.पी.एस.) श्री अविनाश चन्द्रा
महानिदेशक
अग्निशमन सुरक्षा एवं आपात सेवा उत्तर प्रदेश

नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।

Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480

Enjoy Publicity

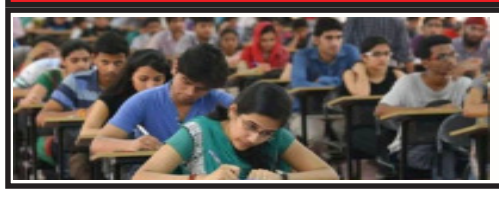

प्रदेश आस/पास

भारत

जिला जज व डीएम-एसपी ने जिला कारागार का निरीक्षण कर महिला/पुरुष बन्दियों से जेल की व्यवस्थाओं की ली जानकारी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

रायबरेली। जिला एवं सत्र न्यायाधीश राजकुमार सिंह, जिलाधिकारी हर्षिता माथुर व पुलिस अधीक्षक डॉ0 यशवीर सिंह सहित जनपद अमेठी की जिलाधिकारी निशा अनंत व अमेठी के अपर पुलिस अधीक्षक हरेन्द्र कुमार ने जिला कारागार रायबरेली का औचक निरीक्षण कर की व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा कैदियों की समस्याओं को सुना गया। निरीक्षण के दौरान जिला कारागार के पाकशाला में बन्दियों को दिये जाने वाले बने खाने का भी अवलोकन किया गया। महिला कक्ष के निरीक्षण के दौरान जिला जज व जिलाधिकारी ने महिला बंदियों के बच्चों को चिप्स, बिस्कुट आदि दिया तथा बन्दी महिलाओं से उनकी उपलब्ध कार्ड को देखा तथा जेल खाना व उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। जिला जज व जिलाधिकारी ने कहा कि जेल की व्यवस्थाओं को नियमानुसार दुरूस्त रखने के साथ ही महिला/पुरुष बंदी गृह एवं मरीजों के इलाज में किसी भी प्रकार की कोई शिथिलता व लापरवाही न बरती जाये। वृद्ध महिलाओं व बच्चों, बुजुर्ग आदि पर भी विशेष ध्यान दें। उन्होंने निर्देश दिये कि सभी व्यवस्थाओं को जेल मैनुअल के अनुरूप सुनिश्चित रखें। जिला जज, जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक के निरीक्षण के दौरान कारागार की सभी बैरकों का गहन निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिला जज द्वारा बंदियों से अपील के सम्बन्ध में तथा विधिक सहायता के सम्बन्ध में जानकारी ली गई, इसके अतिरिक्त उनके द्वारा बंदियों की चिकित्सा व्यवस्था, भोजन व्यवस्था व चल रहे कार्यक्रमों की जानकारी ली गई। अधिकारियों द्वारा कारागार की अनुशासन व्यवस्था, सफाई व स्वच्छता पर प्रसन्नता व्यक्त किया गयाइस अवसर पर जेल अधीक्षक, जेलर सहित संबंधित कार्मिकगण उपस्थित रहें।

काशी के बेसिक स्कूलों का मॉडल लागू करेगी हरियाणा की सरकार, खासियत जान लें

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

वाराणसी। वाराणसी के बेसिक स्कूलों का मॉडल हरियाणा की सरकार लागू करेगी। इसके लिए शिक्षकों और बेसिक शिक्षा विभाग के अफसरों की एक टीम काशी पहुंचकर यहां करीब दो सप्ताह तक अलग-अलग विद्यालयों में पढ़ाई का मॉडल देखा। हरियाणा सरकार ने दिसंबर के पहले सप्ताह में हरियाणा से मुख्यमंत्री पुरस्कार प्राप्त 120 शिक्षकों और बेसिक शिक्षा विभाग के अफसरों की एक टीम काशी भेजी। टीम ने यहां करीब दो सप्ताह रुककर अलग-अलग विद्यालयों में पढ़ाई का मॉडल देखा। कुछ बच्चों से बात कर उनके वीडियो रिकॉर्ड किए। स्मार्ट क्लास को जिस तरह सभी मानकों के साथ लागू किया गया। उससे वह प्रभावित हुए और उसकी रिपोर्ट हरियाणा सरकार को दी। हरियाणा सरकार अब उसी मॉडल को अपने राज्य के बेसिक शिक्षा के विद्यालयों में लागू करेगी। काशी के सेवापुरी ब्लॉक को प्रधानमंत्री ने गोद लिया है। यहां विद्यालयों में सबसे अधिक दौरा टीम ने किया। हरियाणा सरकार को दी रिपोर्ट में शिक्षकों ने कहा कि सभी विद्यालयों में स्मार्ट क्लास चलती मिली। पढ़ाई के साथ बच्चों को कंप्यूटर की बेसिक जानकारियां भी सिखाई जा रही हैं। कुछ विद्यालयों में शिक्षकों ने बच्चों को लैपटॉप चलाना भी सिखाया है। वह मीटिंग का क्यूआर कोड बनाने से लेकर उसे शुरू करना जानते हैं। ई-मेल आईडी बनाने से लेकर उसके महत्व के बारे में बच्चों को जानकारी है। कक्षा 3 और 4 के बच्चे खुद से ऑनलाइन कक्षा में जुड़ना जानते हैं। ताकि भविष्य में कोविड जैसी स्थिति बनने पर पढ़ाई बाधित न हो। विद्यालय का समय समाप्त हो जाने के बाद कक्षा में कमजोर बच्चों के लिए अलग से कक्षा की व्यवस्था की गई है। शिक्षक ऐसे बच्चों को अलग से पढ़ा रहे हैं ताकि उन्हें भी अन्य बच्चों के बराबर लाया जा सके। यह प्रयोग दो साल से हो रहा है।

समारोह पूर्वक माँ वैष्णो मॉडर्न पब्लिक स्कूल में मना क्रिसमस ड

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

सोनभद्र। माँ वैष्णो मॉडर्न पब्लिक स्कूल रॉबर्ट्सगंज में क्रिसमस डे समारोह पूरे उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया। यह विशेष अवसर छात्रों और शिक्षकों के लिए समान रूप से प्रेरणा और आनंद का स्रोत बना। कार्यक्रम में प्रतिभागी छात्रों ने अपनी रचनात्मकता और उत्साह का परिचय देते हुए दर्शकों का मन मोह लिया। श्रृष्टि, मृतुशी, अन्या, जिया, ऋद्धि, नैंसी, दिव्यांश, आयुषी, अर्पिता, अस्तु, आर्या, और श्रेयांश ने रंगारंग प्रस्तुतियों के माध्यम से क्रिसमस के महत्व और उसकी शिक्षाओं को बड़े प्रभावशाली ढंग से प्रदर्शित किया। कार्यक्रम की गरिमा को विद्यालय के प्रधानाचार्य सत्य देव कुमार श्रीवास्तव और प्रबंधक राम शंकर दुबे की उपस्थिति ने और बढ़ा दिया। अपने प्रेरणादायक संबोधन में रमा शंकर दुबे ने कहा कि क्रिसमस न केवल आनंद और उत्सव का पर्व है, बल्कि यह हमें प्रेम, करुणा और एकजुटता का संदेश भी देता है। यह छात्रों के लिए एक ऐसा अवसर है, जो उन्हें अपने जीवन में नैतिक मूल्यों को आत्मसात करने और एक बेहतर समाज की ओर योगदान देने के लिए प्रेरित करता है। प्रधानाचार्य सत्य देव कुमार श्रीवास्तव ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा क्रिसमस जैसे पर्व न केवल हमारे सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विकास में सहायक होते हैं, बल्कि ये छात्र जीवन में टीम वर्क, समर्पण और अनुशासन जैसे गुणों को विकसित करने का भी सशक्त माध्यम हैं। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षकगण केएन मिश्रा, अमित पटेल, अमरेश पांडेय, विशेष पाठक, ऋचा पांडेय, अर्चना द्विवेदी, पुष्पलता, प्रियंका शुक्ला, निगम और रीति अग्रहरि ने कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

तस्वीरों में देखें- महादेव की काशी में रोशनी में डूबे चर्च, आज रात होगा प्रभु यीशु का आगमन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

वाराणसी। क्रिसमस की खुशियां काशी के हर कोने में दिख रही है। मॉल, बाजार और चर्च के साथ लोगों के घरों को रंग- बिरंगी लाइटों से आकर्षक रूप से सजाया गया है। क्रिसमस की खुशिया चहुंओर छाने लगी हैं। चर्च और मसीही बाहुल्य कॉलोनियां रोशनी में डूब चुके हैं। महागिरजाघर सहित अन्य चर्चों को दुल्हन की तरह सजाया गया है। रंग-बिरंगे विघुत झालरों और प्रभु यीशु के जन्म की आकर्षक झांकियां सजी हैं। वहीं, डोर-टू-डोर प्रभु यीशु की बधाई गीत गूंज रहे हैं। बाजार गुलजार है। स्टैचू के अलावा इलेक्ट्रानिक सैंटा क्लाज व 10 फीट तक के क्रिसमस ट्री की खूब बिक्री हो रही है। मंगलवार को रात से ही सभी चर्चों में प्रभु यीशु के जन्म का उत्सवी रंग देखते बनेगा।महागिरजाघर में रात में 10 बजे से ही आयोजन शुरू हो जाएगा। पूजन अर्चन के साथ ही रात 12 बजे प्रभु यीशु का बालरूप में जन्म की झांकी का ससीही दर्शन करेंगे। उधर, मसीही बाहुल्य कॉलोनियों में भी आकर्षक सजावट व उत्सवी माहौल है। सभी जोर-शोर से क्रिसमस की तैयारी में लगे हैं। सजावट से लेकर दावतों के लिए पकवान बना रहे हैं। सिगरा मिशनरी कंपाउंड के मैदान में मशीही समुदाय के युवाओं ने कैंप फायर का आयोजन किया।

पुलिस पर बाइक चढ़ाने की कोशिश, यहां भागने की फिराक में था मुठभेड़ में मारा गया बदमाश सन्नी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

वाराणसी। लखनऊ में इंडियन ओवरसीज बैंक के लॉकर तोड़कर करोड़ों की चोरी करने वाले गैंग के दो बदमाशों का एनकाउंटर हुआ है। इनमें एक बदमाश गाजीपुर में मुठभेड़ के दौरान ढेर हुआ। जो कि बिहार भागने की फिराक में था। लखनऊ के चिनहट के मटियारी स्थित इंडियन ओवरसीज बैंक के लॉकर काट कर करोड़ों रुपये के गहने और कीमती सामान पार करने वाला गिरोह बेहद शातिर है। इस गिरोह में शामिल दो बदमाश बिहार भागने की कोशिश कर रहे थे, जिसमें एक सफल हो गया है। जबकि दूसरा पुलिस मुठभेड़ में ढेर हो गया है। मृत बदमाश की पहचान सन्नीदयाल निवासी अमलिया थाना असरगंज जनपद मुंगेर प्रदेश बिहार के रूप में हुई है। यह भुठभेड़ आज तड़के बक्सर सीमा पर हुई है। एसपी के मुताबिक मृत बदमाश पर 25 हजार रुपये का ईनाम था।एसपी डा. ईरज राजा के मुताबिक पुलिस रूटिंन चेकिंग कर रही थी। बारा चौकी इंचार्ज ने एक बाइक पर दो संदिग्ध व्यक्तियों को मुंह बांधकर अपनी ओर आते देख रोकने का प्रयास किया। लेकिन, बाइक सवार तेज गति से पुलिस टीम पर बाइक चढ़ाने का प्रयास करते हुए बिहार बॉर्डर की ओर तेज गति से भागने लगे। चौकी इंचार्ज ने प्रभारी निरीक्षक गहमर को सूचना दी। बक्सर बॉर्डर पर पुलिस ने घेराबंदी की तो आरोपियों ने बाइक मोड़ कर कुतुबपुर पुराने बंद पड़े खंडहर ढाबे की ओर तेज गति से भागने का प्रयास किया। आगे रास्ता न होने पर गाड़ी छोड़ कर पुलिस एक बदमाश फायर किया जाने लगा। जबकि दूसरा फरार हो गया। हालांकि पुलिस ने भी गोली चलाई और फायर करने वाले बदमाश के पैर और सीने में गोली लगी। पुलिस उसे सीएची भदौरा ले गई। जहां से हालत गंभीर देख जिला अस्पताल रेफर किया गया। यहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। एसपी के मुताबिक मुठभेड़ रात में करीब चार बजे हुई। मौत सुबह करीब सात बजे जिला अस्पताल में हुई।

सोनभद्र, मिर्जापुर

आरती पूजन के साथ मानस पाठ महायज्ञ का हुआ भव्य शुभारंभ

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। श्री रामचरित मानस नवाह्न पाठ महायज्ञ समिति के तत्वाधान में मंगलवार से राब?र्ट्सगंज के आरटीएस क्लब में नौ दिवसीय नवाह्न परायण महायज्ञ का शुभारंभ हुआ। पहले दिन प्रभु श्री राम दरबार का भव्य श्रृंगार हुआ और आरती-पूजन के साथ महायज्ञ का शुभारंभ किया गया। काशी रत्न पं0 सूर्यलाल मिश्र के आचार्यत्व में शुरू हुए मानस पाठ में यज्ञ का पट्टाभिषेक महामंत्री सुशील पाठक ने किया वहीं यजमान सत्यपाल जैन ने सह पत्नी पूजन अर्चन के कार्य को मूर्त रूप प्रदान किया। महायज्ञ की पूर्व संध्या पर विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी वैदिक मंत्रोचार के साथ प्रभु श्री राम दरबार की सावधि प्राण प्रतिष्ठा आचार्य सन्तोष कुमार द्विवेदी के साथ पं0 शिव कुमार शास्त्री, पं0 अनील कुमार पाण्डेय, पं0 यशवंत पांडेय ने सम्पन्न कराई। वहीं माल्यार्पण व स्वास्ति वाचन तथा दरबार की आरती के पश्चात व्यास जी ने भूदेव की परिक्रमा प्रारंभ की। देर शाम से मानस प्रवचन का भी आयोजन किया गया। अगले नौ दिनों तक चलने वाले इस महायज्ञ में बुधवार को राम जन्मोत्सव की झांकी निकाली जाएगी। प्रारंभिक क्रम का संचालन राकेश त्रिपाठी ने किया। मंगल भवन अमंगल हारी, द्रबहु सो दसरथ अजिर बिहारी।' की पवित्र पंक्तियों के साथ आज यज्ञ अनुष्ठान का प्रथम सोपान मंगलाचरण से प्रारंभ हुआ। दोहा और चौपाई के माध्यम से मुख्य व्यास जी द्वारा सती प्रसंग, पार्वती विवाह, प्रसंगों की व्याख्या की गई। प्रथम दिवस कथा का स्थगन, रामायण जी की आरती के साथ हुआ। श्रीरामचरितमानस नवाह्न पाठ के दूसरे दिन श्री राम का जन्मोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। इस अवसर पर मुख्य रूप अध्यक्ष सत्यपाल जैन, महामंत्री सुशील पाठक, सदर विधायक भूपेश चौबे, ओमप्रकाश त्रिपाठी, इंद्रदेव सिंह, अवधेश पांडे, गुल्लू भंडारी, जमुना केसरी, शंभू सिंह, अनिल चौबे, अयोध्या दुबे, डॉक्टर जेएस चतुर्वेदी, आलोक सिंह, विमलेश सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित रहें।

जामवंती पाण्डेय स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता में राजगढ़ व नदीहार ने जीता मैच

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

घोरावल सोनभद्र । स्व. जामवंती पांडेय स्पोर्ट्स क्लब के सौजन्य से महुआंव पांडेय गांव में आयोजित जामवंती पांडेय स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता के तेरहवें दिन मंगलवार को दिन में क्वार्टर और क्वार्टरफाइनल के 2 मैच खेले गए। सबसे पहले क्वार्टर मैच राजगढ़ और ओइहथा की टीमों के बीच हुआ। ओइहथा ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग करते हुए निर्धारित 6 ओवर में 43 रन बनाए।जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी राजगढ़ की टीम ने 4.2 ओवरों में 3 विकेट पर 44 रन बनाकर कर मैच जीत लिया और अगले चक्र में प्रवेश किया।इस मैच के मैन ऑफ द मैच राजगढ़ टीम विक्रांत रहे, जिन्होंने 1 विकेट लिए और 19 रनों की महत्वपूर्ण पारी खेली। इसके बाद क्वार्टरफाइनल मैच नदीहार और राजगढ़ के बीच हुआ।नदीहार ने टॉस जीतकर पहले फील्डिंग करने का निर्णय लिया। राजगढ़ की टीम ने पहले बैटिंग करते हुए निर्धारित 8 ओवरों में 9 विकेट खोकर 96 रनो का लक्ष्य दिया। जवाब में रोमांचक मुकाबले में नदीहार की टीम ने 6 विकेट खोकर अंतिम ओवर की अंतिम गेंद पर मैच जीता और अगले चक्र में प्रवेश किया। इस मैच के मैन ऑफ द मैच अंकित रहे, जिन्होंने 52 रनों की लाजवाब पारी खेली और विपक्षी टीम के 2 विकेट भी लिए। आयोजन कमेटी के सदस्य जगदीश शर्मा के द्वारा विजेता टीमों और मैन ऑफ द मैच विक्रांत व अंकित को शील्ड प्रदान कर पुरस्कृत किया गया। इस मौके पर गोविंद धर द्विवेदी, प्रदीप तिवारी, दीपक शर्मा, जितेंद्र कुमार, गुड्डू जायसवाल, रामकेश मौर्या, छोटेलाल, राधेश्याम जायसवाल, अभिषेक धर द्विवेदी, निखिल द्विवेदी, जयप्रकाश शर्मा, नीलेश तिवारी, नीरज ,बब्बल इत्यादि मौजूद रहे।

बहुजन कार्यकर्ताओं ने निकाला जुलूस डीएम को सौप पत्र

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। मंगलवार को बहुजन समाज पार्टी के तत्वावधान में जिला स्तरीय बैठक जिला कार्यालय रॉबर्ट्सगंज सोनभद्र में की गई । अध्यक्षता हीरालाल सायन पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष ने किया। मुख्य अतिथि के रूप में डॉक्टर अशोक कुमार गौतम पूर्व (राज्य मंत्री) मुख्य मंडल प्रभारी मिर्जापुर मंडल व माननीय विनोद बागड़ी साहब मुख्य मंडल प्रभारी मिर्जापुर मंडल। विशिष्ट अतिथि के रूप में सभी मंडल प्रभारी गण मिर्जापुर मंडल क्रमशः राम विचार गौतम , अविनाश शुक्ला , डॉक्टर ओपी मौर्य ,जिला प्रभारी गण क्रमशः कमलेश गोंड , प्रेमनाथ गौतम शेषधर पाल , जमुना चौधरी रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि ने कहा कि भाजपा सरकार में भ्रष्टाचार अत्याचार एवं समाज के हर वर्ग जाति धर्म का शोषण व अपमानित करने का कोई कोर कसर नहीं छोड़ रहे इस सरकार के सांसद मंत्रियों की गंदी मानसिकता समाज के साथ-साथ देश में महापुरुषों के भी खिलाफ अनाप-शनाप बयान बाजी करके अपनी कुंठित मानसिकता का परिचय दे रहे हैं वर्तमान में भारत सरकार के गृहमंत्री अमित शाह के द्वारा भारतीय संविधान निर्माता बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के विषय में गलत बयान बाजी की वजह से पूरे देश में विरोध प्राप्त है बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर ने देश के हर धर्म जाति समाज दलित शोषित वंचित पशु पक्षी से लेकर सभी को समान अधिकार देने का काम किया करोड़ों करोड़ों दलितों वंचितों शोषितों के मसीहा रहे बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर के बारे में जो टिप्पणी किया गया है इसको बहुजन समाज एवं सर्व समाज कभी बर्दाश्त नहीं करेगा बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश व पूर्व राज्यसभा सांसद बहन कुमारी मायावती के निर्देश पर मंगलवार को बहुजन समाज पार्टी पूरे देश में गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ धरना प्रदर्शन कर विरोध करने का काम करेगी। एवं जिलाधिकारी को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन देंगे।बैठक को संबोधित करते हुए माननीय विनोद बागड़ी साहब ने कहा कि भाजपा सिर्फ दलित शोषित वंचित पिछड़ा समाज का वोट वोट लेने के लिए बाबा साहब याद आते हैं ।उनके सामने नतमस्तक होकर बहुजनों का हितैषी बनने का नाटक करते हैं ।सदन में जाने से पहले मगरमच्छ के आंसू बहाने का काम करते हैं। ऐसे बहुरूपियों से सावधान रहने की जरूरत है ऐसी गंदी मानसिकता वाले सरकार को उखाड़ फेंकने की जरूरत है ।तभी समाज में हर लोगों का मान सम्मान सुरक्षित रह पाएगा। बारी-बारी से सभी वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किया बैठक का संचालन बसपा जिलाध्यक्ष बी0 सागर ने किया कहां की भाजपा के लोग जाति धर्म मजहब वर्ग संप्रदाय के नाम से लोगों को लड़ा कर सिर्फ वोट लेने का काम करते हैं।इस तरह की सोच के लोग किसी के हितैषी नहीं है ।यह सरकार उद्योगपतियों के हाथ में हैं यह दलित विरोधी है ऐसी सरकारों को करारा जवाब देना होगा। बैठक में उपस्थित संजय गोंड प्रभारी , कृष्ण कुमार गिरी उर्फ़ टाम बाबा, प्रीतम गिरी रामचंद्र रत्ना ,राम लखन देहाती बलवंत रंगीला, अमन मौर्य, अवधेश विश्वकर्मा, प्रदीप पांडे ,पवन प्रधान, गोपाल दास कौशल, राजकुमार गुप्ता,मुन्ना भारती ,जनार्दन पटेल संदीप भारती ,अनीश भारती, प्रभारी बाबूराम प्रजापति ,चंद्रकांत भारती ,नारद राव संजय कनौजिया विकास कुमार राव साहित्य सैकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

एल एल बी प्रथम सेमेस्टर में नव प्रवेशित छात्र-छात्राओं का किया गया सम्मान

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। विंध्य लॉ कॉलेज गोराडीह रावटसगंज सोनभद्र में आज एल एल बी प्रथम सेमेस्टर के छात्र-छात्राओं का सम्मान समारोह का कार्यक्रम आयोजित किया गया । कार्यक्रम का प्रारंभ महाविद्यालय की प्राचार्य डॉक्टर अंजलि विक्रम सिंह व मुख्य ट्रस्टी डॉ अजय कुमार सिंह द्वारा सरस्वती प्रतिमा पर माल्यार्पण कर तथा दीप जलाकर किया गया। तत्पश्चात एल एल बी में नव प्रवेशित छात्राओं ने अपने विचारों को व्यक्त किया एक दूसरे से परिचय प्राप्त किया और अनुशासन में रहते हुए शिक्षण और श्रेष्ठता हासिल करने और सर्वांगीण विकास की बात करने का प्रयास करेंगे कार्यक्रम के अंत में महाविद्यालय की प्राचार्य ने अपने उद्बोधन में कहा कि नव प्रदर्शित छात्र-छात्राओं के सम्मान के लिए आयोजित इस कार्यक्रम में हम सभी नव प्रवेशित छात्राओं का हृदय तल से स्वागत करते हैं और उनको बधाई देते हैं की उच्च स्तरीय शिक्षा प्राप्त कर छात्र-छात्राएं अपने महाविद्यालय के साथ-साथ जनपद का भी नाम रोशन करें । उन्होंने कहा कि जीवन के लक्ष्य तय करने और ईमानदारी से उन्हें हासिल करने की सलाह दी जाती है जिससे वह परिश्रम के साथ-साथ लगन और मेहनत से पढ़कर हमेशा आगे बढ़ते रहें इसी के साथ-साथ सभी छात्र-छात्राओं को बधाई और आशीर्वचन दिया कार्यक्रम में मुख्य रूप से डॉक्टर मल्टी शुक्ला पंकज अनीश मनीष रजनीकांत श्रीवास्तव आनंद श्रीवास्तव डॉक्टर कैलाश तथा एलएलबी प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश लेने वाले सभी विद्यार्थी उपस्थित थे।

देश की जनता से माफी मांगे केंद्रीय गृह मंत्री ,कांग्रेस

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह द्वारा संविधान निर्माता बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के ऊपर आपत्तिजनक तथा अमर्यादित टिप्पणी के विरोध में आज जिला एवं शहर कांग्रेस कमेटी सोनभद्र के संयुक्त नेतृत्व में नगर स्थित अंबेडकर मंदिर में अंबेडकर जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नगर में मार्च निकाला गया तथा जुलूस के रूप में जिलाधिकारी कार्यालय पर महामहिम राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन जिला अधिकारी के प्रतिनिधि को सोपा गया ज्ञापन के माध्यम से महामहिम राष्ट्रपति महोदय से यह मांग की गई थी बाबा साहब भीमराव अंबेडकर इस देश के एक महापुरुष के रूप में रहे हैं जिनको पूरे देश में सदैव सम्मान और आदर से याद किया जाता है किंतु 18वीं लोकसभा सत्र में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह द्वारा उनको अपमानित किया गया जिसकी कांग्रेस पार्टी घोर निंदा करती है और उनके इस्तीफे की मांग करती है जिला अध्यक्ष रामराज सिंह ने कहा की बाबा साहब भीमराव अंबेडकर इस देश के सभी वर्गों के हित को साधने वाले एक मसीहा थे भारतीय जनता पार्टी उनको अपमानित कर नीचा दिखाने और संविधान को खत्म करने का कुक्कृत प्रयास कर रही है जिसको कांग्रेस पार्टी के लाखों लाख कार्यकर्ता बर्दाश्त नहीं करेंगे और अंबेडकर जी के सम्मान और हितों की रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहेंगे शहर अध्यक्ष राजीव त्रिपाठी ने कहा कि बाबा साहब भीमराव अंबेडकर एक युग पुरुष थे आज उनके लिखे हुए संविधान से देश में सभी को सम्मान और अधिकार प्राप्त है भारतीय जनता पार्टी बाबा साहब भीमराव अंबेडकर को अपमानित कर देश में नफरत को फैलाना चाहती है जिसको हम सब कांग्रेस के कार्यकर्ता अपने नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में हर संघर्ष करने को तैयार हैं और संविधान के रक्षा की लड़ाई लड़ते रहेंगे कार्यक्रम में मुख्य रूप से रामराज सिंह गौड़ राजीव त्रिपाठी इंजीनियर जितेंद्र पासवान हाजी फरीद अहमद कमलेश ओझा राजबली पांडे नागेश मणि पाठक बृजेश तिवारी गोपाल स्वरूप पाठक आशुतोष कुमार दुबे जितेंद्र देव पांडे निगम मिश्रा वीरेंद्र शुक्ला दयाशंकर देव पांडे विशिष्ट कुमार चौबे शंकर लाल भारतीय इंजीनियर शिव प्रसाद यादव रमाशंकर लाल भारती राजेंद्र भारती बाबूलाल पनिका अमरेश देव पांडे रामविलास पनिका, सतराम केशरी, श्रीकांत मिश्रा एडवोकेट सूरज अंशु मद्धेशिया सनी शुक्ला दीपू पांडेय दयाराम प्रजापति।

नन्हे मुन्ने बच्चों ने क्रिसमस पर सजाई झांकी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। प्रकाश जीनियस पब्लिक इंग्लिश स्कूल में मंगलवार को क्रिसमस का त्यौहार मनाया गया ।विद्यालय के प्रबंध निदेशक के द्वारा केक काटकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। बच्चों ने ईसा मसीह के संदेश के बारे में जानकारी दी तथा मंचन किया। विद्यालय परिसर में क्रिसमस ट्री को सुंदर एवं आकर्षक ढंग से सजाया गया। बच्चों ने स्कूल को रंग बिरंगे गुब्बारे, घंटियों व क्रिसमस ट्री से सजाया । जिसके पश्चात ईसा मसीह के जन्म वृत्त पर बच्चों के द्वारा नाटक का मंचन किया गया। इसके पश्चात बच्चों के द्वारा कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रम की शुरुआत कक्षा एलद केद जीद तथा यूदकेदजीद के बच्चों के नृत्य जिंगल बेल गाने से हुआ। तथा कक्षा एक और दो के बच्चों ने स्कूल चले हम गाने पर सुंदर नृत्य किया एवं टैगोर नगर ब्रांच के बच्चों में फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता हुई जिसमें बच्चों ने खूब सुंदर प्रदर्शन किया। विद्यालय के प्रबंध निदेशक राजेंद्र प्रसाद जैन ने बच्चों की खूब प्रशंसा करते हुए बताया कि यह पर्व ईसाई धर्म के संस्थापक प्रभु यीशु के जन्म दिवस के रूप में मनाया जाता है क्रिसमस के दिन लोग अपने घरों को खूबसूरत लाइट्स कैंडल्स और क्रिसमस ट्री से सजाते हैं और प्रार्थना करते हैं। विद्यालय के निर्देशक ओम जैन ने बताया कि हमें धर्म के बीच भेदभाव ना करके सबके त्यौहार को हर्षोल्लास के साथ मनाना चाहिए। इस अवसर पर विद्यालय के मुख्य कार्यकारी अधिकारी संतोष कुमार पांडे ,प्रधानाचार्य अंबर उपाध्याय, उप प्रधानाचार्य सुरेंद्र कुमार यादव, तथा शिक्षक मनोज दुबे ,संजू पांडे ,आकांक्षा तिवारी ,पूनम, आभा पांडे, साधना पांडे ,अनीता सोनी, सीता पांडे ,दिव्या चौरसिया, रागिनी ,दीप्ति मिश्रा ,दीपक श्रीवास्तव ,मनीष पांडे, चंदन सिंह, आदि शिक्षक- शिक्षिकाएं एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

भारतीय राजनीति के शिखर पुरुष थे भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी बाजपेयी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। मंगलवार को भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी बाजपेयी की जन्म शताब्दी वर्ष के पूर्व संध्या पर ग्राम कैथी में काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। श्रद्धेय अटल बिहारी बाजपेयी के चित्र पर सदर विधायक भूपेश चौबे, भाजपा जिलाध्यक्ष नन्द लाल , पूर्व जिलाध्यक्ष अजीत चौबे, पूर्व क्षेत्रीय उपाध्यक्ष रमेश मिश्रा सहित सभी कार्यकर्ताओं ने पुष्पांजलि कर श्रद्धासुमन अर्पित की व जरुरतमंद गरीबों को कम्बल वितरण किया गया। कार्यक्रम में कवि श्रद्धेय अजय शेखर , जगदीश पंथी , कमलेश राजहंस सहित तमाम कवि मौजूद रहे। कार्यक्रम मे बतौर मुख्यअतिथि सदर विधायक भूपेश चौबे जी व विशिष्ठ अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष नन्द लाल मौजूद रहे। इस मौके पर सदर विधायक भूपेश चौबे ने कहा कि अटल बिहारी बाजपेयी ने संगठन की शक्ति ही कूट कूट कर भरी थी उन्हे धैर्य और संयम के साथ कडी मेहनत पर भरोसा था 1980 में जनता पार्टी के टूट जाने के बाद अटल बिहारी बाजपेयी जी ने लालकृष्ण आडवाणी और कुछ सहयोगियों के साथ मिलकर भारतीय जनता पार्टी का गठन किया। पहले राष्ट्रीय अध्यक्ष बने 1980 से 1986 तक पार्टी के अध्यक्ष रहे अटल जी के अगुवाई मे भाजपा ने धिरे धिरे अपना संगठन मजबूत किया। 1984 के आमचुनाव में भाजपा को महज दो सीटों पर जीत हासिल हुयी अटल जी इससे विचलित नही हुए और पार्टी को मजबूत करने मे जुटे रहे ये उनके व्यक्तित्व और करिश्माई नेतृत्व का नतीजा ही था कि 1984 मे सिर्फ दो सीटो पर जीत दर्ज करने वाली पार्टी 1989 के चुनाव में 85 सीटे जीतकर भारतीय लोकतंत्र मे भाजपा की दमदार उपस्थिति दर्ज करायी साथ ही सालो बाद भारतीय लोकतंत्र मे एक नये और मजबूत नींव रखी उनके विचारो को आगे बढाते हुए देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पूरे विश्व मे भारतीय जनता पार्टी का परचम लहरा रहा है। इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष नन्द लाल ने कहा कि आज पूरा देश पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी के जन्म शताब्दी वर्ष की पूर्व संध्या पर आज यह कार्यक्रम सम्पन्न हो रहा है, और कहा कि श्रद्धेय अटल बिहारी बाजपेयी देश के तीन बार प्रधानमंत्री होने के अलावा हिन्दी कवि पत्रकार व प्रखर वक्ता भी थे व जनसंघ के संस्थापकों में से एक थे अटल का जन्म 25 दिसंबर 1924 को हुआ था उनके पिता का नाम कृष्णबिहारी बाजपेयी था उन्होने ने अपनी शिक्षा ग्वालियर के बिक्टोरिया कालेज से ली जिसे अब लक्ष्मीबाई कालेज के नाम से जाना जाता है, इस मौके पर पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष/कार्यक्रम संयोजक अजीत चौबे ने कहा कि भारतीय राजनीति के पुरोधा पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी भारतीय राजनीति में 6 दशक तक पुरजोर दखल रखने वाले अपनी दूरदर्शिता और करिश्माई व्यक्तित्व की वजह से देश के साथ ही अंतराष्ट्रीय मंचो पर भी अमिट छाप छोडी है अटल जी के लिए राष्ट्रहित हमेशा दलगत राजनीति से उपर रहा है, एक सांसद के रुप अटल बिहारी बाजपेयी दो बार राज्यसभा और दस बार लोकसभा के सदस्य चुने गये भारत रत्न से सम्मानित अटल जी देश के तीन बार प्रधानमंत्री बने अटल का एक लंबा अनुभव रहा है, उन्होने अधिकांश समय विपक्ष मे बिताया है इसके बावजूद उन्होने निरंतर जनहित से जुडे मुद्दे उठाए और अपने सिद्धांतो से कभी विचलित नही हुए अपनी दूरदर्शिता और शब्दो के साथ भाषा पर बेजोड पकड के वजह से बाजपेयी ने राजनीति, साहित्य और समाज के हर क्षेत्र में अमिट छाप छोडी चाहे किसी भी कठिनाइयां रही हो अटल ने अपने मजबूत इरादों के साथ उनका डटकर मुकाबला किया। अटल के बताएं रास्ते पर हम सभी कार्यकर्ताओं को चलना ही उनकी सच्ची श्रद्धांजली होगी। इस मौके पर पूर्व क्षेत्रीय उपाध्यक्ष रमेश मिश्रा, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रामलखन सिंह, पूर्व जिलाध्यक्ष धर्मवीर तिवारी, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष अमरेश पटेल, ब्लॉक प्रमुख राबर्ट्सगंज अजीत रावत, नगवा प्रमुख आलोक सिंह, जिला महामंत्री रामसुन्दर निषाद, संतोष शुक्ला, शंम्भू नारायण सिंह, महेन्द्र पाण्डेय, राजबहादुर सिंह, अनूप तिवारी, विनय श्रीवास्तव, सुनिल सिंह, रजनीश रघुवंशी, सुरेश शुक्ला, दिलिप चौबे, वरुण तिवारी, किरन तिवारी, रुबी गुप्ता, गुडिया तिवारी सहित सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित रहे।

विधायक खेल महाकुंम्भ 2024-25 के जन जागरण को निकली प्रभातफेरी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। 25 दिसंबर को पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी बाजपेयी जी की जन्म शताब्दी से राबर्ट्सगंज के हाइडिल मैदान में शुरु होने वाले विधायक खेल महाकुंम्भ की पूर्व संध्या पर हाइडिल मैदान से प्रभातफेरी निकाली गयी जो नगर में भ्रमण करते हुए शीतला चौक से होते हुए स्वर्ण जयन्ती चौक होते हुए हाइडिल मैदान में सम्पन्न हुयी। इस मौके पर सदर विधायक भूपेश चौबे ने कहा कि खेल महाकुंभ में यह खेल महाकुंभ युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर और मंच प्रदान करता है. यह एक अनूठी पहल है जो जिला सोनभद्र के राबर्ट्सगंज विधानसभा के आसपास के क्षेत्रों के युवाओं को खेल के प्रति न सिर्फ जागरूक करती है, बल्कि उन्हें खेल को करियर के एक विकल्प के रूप में अपनाने के लिए प्रेरित करती है. यह क्षेत्र के युवाओं में अनुशासन, टीम भावना, स्वस्थ प्रतिस्पर्धा, आत्मविश्वास और राष्ट्रवाद की भावना पैदा करने का भी प्रयास करता है। इस दौरान पूर्व क्षेत्रीय उपाध्यक्ष रमेश मिश्रा, भाजपा जिलाध्यक्ष नन्द लाल जी, सदर ब्लॉक प्रमुख अजीत रावत, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष अमरेश पटेल, ओमप्रकाश दूबे, रामसुन्दर निषाद, संतोष शुक्ला, रजनीश रघुवंशी, विनय श्रीवास्तव, अनूप तिवारी, मनोज सोनकर, सुरेश शुक्ला, सुनिल सिंह, अजय पाण्डेय, अनिल पाण्डेय, गौरव शुक्ला, विकास मिश्रा, सिब्बू चौबे, अमित चतुर्वेदी, निशान्त सिंह, संजय जायसवाल, अमन मौर्या, विमलेश पटेल व आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

स्पोर्ट्स

स्टंप बेल्स बदलने को लेकर आमने-सामने आए लाबुशेन और सिराज

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली । अपनी आक्रामक गेंदबाजी शैली के लिए जाने जाने वाले सिराज ने एक बार फिर लाबुशेन पर निशाना साधा। इस मजेदार प्रतिद्वंद्विता को देखकर फैंस ने पसंद किया। सोशल मीडिया पर इसका वीडियो जमकर वायरल हो रहा है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच ब्रिस्बेन के गाबा में पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का तीसरा मुकाबला खेला जा रहा है। इन दो टीमों के बीच टेस्ट मैच हो और कोई विवाद न हो, ऐसा हो ही नहीं सकता। पहले और दूसरे टेस्ट में अलग-अलग खिलाड़ियों से मोहम्मद सिराज के भिड़ने के वीडियो सामने आए थे। सिराज का लाबुशेन और ट्रेविस हेड के साथ तू-तू-मैं-मैं जगजाहिर है। अब गाबा में भी सिराज ने लाबुशेन के साथ अपनी प्रतिद्वंद्विता को जारी रखा है। दोनों स्टंप बेल्स को ठीक करने को लिए भिड़ गए। हालांकि, दोनों के बीच शब्दों का आदान प्रदान नहीं हुआ, लेकिन दोनों की हरकतों से ऐसा लग रहा था कि दोनों बेल्स बदलने को लेकर बेताब हैं और एक दूसरे से कह रहे हैं- पहले मैं बदलूंगा...नहीं पहले मैं बदलूंगा।सिराज को इस दौरे पर ऑस्ट्रेलियाई दर्शकों से ज्यादा प्यार नहीं मिला है। हेड और लाबुशेन से भिड़ने के बाद ऑस्ट्रेलियाई दर्शकों ने उनकी हूटिंग की थी। हालांकि, सिराज को इससे जरा भी फर्क नहीं पड़ा और ब्रिस्बेन में भी उन्होंने अब तक शानदार गेंदबाजी की है। अपनी आक्रामक गेंदबाजी शैली के लिए जाने जाने वाले सिराज ने एक बार फिर लाबुशेन पर निशाना साधा। ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी के 33वें ओवर में गेंद फेंकने के बाद सिराज स्ट्राइक पर मौजूद लाबुशेन के करीब गए और उन्होंने स्टंप्स पर रखे बेल्स की अदला बदली कर दी। दाएं को बाएं और बाएं को दाएं साइड कर दिया। इसके बाद वह वहां से जाने लगे। तभी लाबुशेन ने हड़बड़ा कर बेल्स को फिर से बदल दिया और पहले वाली स्थिति में ले आए। इस मजेदार प्रतिद्वंद्विता को देखकर फैंस ने पसंद किया। सोशल मीडिया पर इसका वीडियो जमकर वायरल हो रहा है। एडिलेड टेस्ट के बाद गर्म हुए वातावरण को इस घटना से थोड़ी राहत मिली होगी। हालांकि, इससे सिराज ने लाबुशेन का ध्यान जरूर भंग किया और इसके अगले ओवर में लाबुशेन नीतीश रेड्डी का शिकार बन गए। ऑस्ट्रेलियाई पारी के 34वें ओवर में नीतीश ने लाबुशेन को स्लिप में विराट कोहली के हाथों कैच कराया। वह 55 गेंद में 12 रन बना सके। दूसरे दिन लंच तक ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में तीन विकेट गंवाकर 104 रन बनाए थे। रविवार को ऑस्ट्रेलिया ने 13.2 ओवर में बिना किसी विकेट के आगे खेलना शुरू किया और लंच तक 76 रन बनाने में तीन विकेट गंवाए। कंगारुओं को आज पहला झटका पारी के 17वें ओवर में लगा, जब बुमराह ने उस्मान ख्वाजा को विकेटकीपर पंत के हाथों कैच कराया। वह 21 रन बना सके। इसके बाद बुमराह ने मैकस्वीनी को पवेलियन भेजा। वह नौ रन बना सके। फिर नीतीश रेड्डी ने मार्नस लाबुशेन को स्लिप में कोहली के हाथों कैच कराया।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी का फाइनल, मध्य प्रदेश के सामने मुंबई की मजबूत चुनौती

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली । सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के इस संस्करण में 200 या उससे अधिक के 37 स्कोर देखे गए हैं, लेकिन चिन्नास्वामी स्टेडियम में कोई भी 200+ का स्कोर दर्ज नहीं किया गया है।मुंबई की टीम के सामने रविवार को बंगलूरू के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी टी 20 के फाइनल में मध्य प्रदेश टीम की मुश्किल चुनौती होगी। यूं तो मुंबई को उसकी मजबूत बल्लेबाजी के कारण खिताब का दावेदार माना जा रहा है लेकिन मध्य प्रदेश की टीम भी छुपे रुस्तम साबित हो सकती है।मुंबई के पास कप्तान श्रेयस अय्यर के अलावा फॉर्म में चल रहे अजिंक्य रहाणे, सूर्यकुमार यादव, शिवम दुबे और पृथ्वी शॉ शामिल हैं। रहाणे इस बार टूर्नामेंट में 432 रन बनाकर बल्लेबाजों में शीर्ष पर हैं। उन्होंने 170 की स्ट्राइक रेट से पांच अर्धशतक लगाए हैं। तीसरे क्रम पर श्रेयस ने यह सुनिश्चित किया है कि रहाणे की शुरुआत में खेली गई अच्छी पारी का लाभ मध्य क्रम में उठाया जाए।श्रेयस अब तक आठ मैचों में 329 रन बना चुके हैं। हालांकि सेमीफाइनल में बड़ौदा को मुंबई ने सात विकेट पर 158 रन पर रोक लिया था, लेकिन गेंदबाजी में मोहित अवस्थी, शार्दुल ठाकुर और शिवम दुबे खर्चीले साबित हुए हैं। स्पिनरों तनुष कौटियान, सूर्यांश और अथर्व ने बल्लेबाजों पर अंकुश रखा है। 2022 में खिताब जीत चुकी मुंबई की चिंता यह है कि उनके तेज और मध्य गति के गेंदबाजों की कमजोरी का मध्य प्रदेश के कप्तान रजत पाटीदार फायदा उठा सकते हैं।खुद पाटीदार का कहना है कि 'हमें अपनी मजबूती पर भरोसा है, हम यह नहीं सोच रहे कि हमारे सामने मुंबई की मजबूत टीम है।' पाटीदार लय में हैं और अभी तक चार अर्धशतक के साथ 347 रन बना चुके हैं। मध्य प्रदेश ने अभी तक सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी का खिताब नहीं जीता है। पिछली बार टीम 2010-11 के सत्र में फाइनल में पहुंची थी।मध्य प्रदेश के पास वेंकटेश अय्यर भी हैं जो निचले मध्यक्रम में टीम को मजबूती प्रदान करते हैं। वह अभी तक 210 रन बना चुके हैं और छह विकेट भी अपनी झोली में डाल चुके हैं। टीम के अन्य गेंदबाजों में आवेश खान (10 विकेट), तिरुपुरेश (07) और स्पिनर कुमार कार्तिकेय (16) भी अच्छा प्रदर्शन करने में सफल रहे हैं। मैच शाम साढ़े चार बजे से खेला जाएगा सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के इस संस्करण में 200 या उससे अधिक के 37 स्कोर देखे गए हैं, लेकिन चिन्नास्वामी स्टेडियम में कोई भी 200+ का स्कोर दर्ज नहीं किया गया है। जहां मुंबई और मध्य प्रदेश दोनों ने यहां अपने-अपने सेमीफाइनल में लक्ष्य का पीछा करते हुए आसान जीत हासिल की, वहीं लक्ष्य का बचाव करने वाली टीमों ने भी बंगलूरू में तीन बार सफलता का स्वाद चखा है। 193 रन यहां बनाया गया सर्वोच्च स्कोर है। मध्य प्रदेशः अर्पित गौड़, हर्ष गवली (विकेटकीपर), सुभ्रांशु सेनापति, वेंकटेश अय्यर, रजत पाटीदार (कप्तान), हरप्रीत सिंह भाटिया, त्रिपुरेश सिंह, राहुल बाथम, कुमार कार्तिकेय, अवेश खान, शिवम शुक्ला।दुनिया की सभी टी20 प्रतियोगिताओं में, इस साल सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में 206 50+ के स्कोर दूसरा सबसे अधिक है। इंग्लैंड में 2023 टी20 ब्लास्ट में यह 50+ के स्कोर की रिकॉर्ड संख्या से केवल छह कम है।

ऑस्ट्रेलिया नहीं जाएंगे मोहम्मद शमी विजय हजारे ट्रॉफी के लिए बंगाल टीम में हुए शामिल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली । तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी बंगाल के लिए विजय हजारे ट्रॉफी में खेलते नजर आएंगे। उन्हें टीम में शामिल कर लिया गया है। ऐसे में उनका ऑस्ट्रेलिया जाना मुश्किल है। तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी बंगाल के लिए विजय हजारे ट्रॉफी में खेलते नजर आएंगे। उन्हें टीम में शामिल कर लिया गया है। ऐसे में उनका ऑस्ट्रेलिया जाना मुश्किल है। बता दें कि, भारतीय टीम फिलहाल ऑस्ट्रेलिया दौरे पर है। दोनों टीमों के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जा रही है। इस सीरीज का तीसरा मुकाबला ब्रिस्बेन में खेला जा रहा है जबकि चौथा और पांचवां मैच क्रमशः 26 दिसंबर और तीन जनवरी से खेला जाएगा। विजय हजारे ट्रॉफी की शुरुआत 21 दिसंबर से होगी। बंगाल की टीम को ग्रुप ई में रखा गया है, जिसका पहले मैच में सामना दिल्ली से होगा। हैदराबाद में खेले जाने वाले इस मुकाबले में मोहम्मद शमी भी खेलते दिखेंगे। उन्हें बंगाल के स्क्वॉड में शामिल किया गया है। उनके अलावा मुकेश कुमार को भी टीम में जगह मिली है। सभी खिलाड़ी बुधवार को हैदराबाद के लिए कोलकाता से रवाना होंगे।हाल ही में पीटीआई की एक रिपोर्ट में बताया गया था कि शमी अंतिम दो मुकाबलों के लिए मेलबर्न में टीम से जुड़ सकते हैं। शमी से जुड़े एक करीबी सूत्र ने बताया कि एनसीए से फिटनेस सर्टिफिकेट जल्द ही मिल जाएगा। न्यूज एजेंसी पीटीआई से सूत्र ने कहा, शमी की किट पहले ही ऑस्ट्रेलिया भेजी जा चुकी है। वह सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी टी20 टूर्नामेंट का अभियान पूरा करने के बाद ऑस्ट्रेलिया के लिए रवाना होंगे शमी को आखिरी बार पिछले साल वनडे विश्व कप में भारत के लिए खेलते देखा गया था।

चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी को लेकर पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड में कलह, अधिकारी आपस में ही भिड़े

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली । पीसीबी द्वारा इस फॉर्मूले को स्वीकार करने के साथ, हाइब्रिड मॉडल को लेकर पीसीबी के भीतर लड़ाई शुरू हो गई है।भारत के सीमा पार यात्रा करने से इनकार करने के बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने 2025 चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी हाइब्रिड प्रारूप में करने का फैसला किया है। इससे पीसीबी के अंदर ही असंतोष पैदा हो गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पीसीबी के अंदर ही कलह शुरू हो चुकी है। पाकिस्तान ने जिस तरह से फैसले को स्वीकार किया है, उससे पीसीबी कई सदस्य और अधिकारी नाखुश हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के हाइब्रिड मॉडल में कराने की पुष्टि की ही। अब भारत दुबई में अपने मैच खेलेगा, जबकि पाकिस्तान बाकी टूर्नामेंट की मेजबानी करेग मुआवजे के तौर पर पाकिस्तान को 2026 टी20 विश्व कप के दौरान भारत की जगह कोलंबो में अपने मैच खेलने की अनुमति दी गई है। पाकिस्तान को 2027 के बाद आईसीसी महिला प्रतियोगिता की मेजबानी के अधिकार भी आवंटित कर दिए गए हैं। पीसीबी द्वारा इस फॉर्मूले को स्वीकार करने के साथ, हाइब्रिड मॉडल को लेकर पीसीबी के भीतर लड़ाई शुरू हो गई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, कुछ सदस्यों ने नाखुशी जताते हुए कहा कि पीसीबी प्रमुख मोहसिन नकवी को नहीं बहकना चाहिए और यह आईसीसी की कोई रणनीति भी हो सकती है। इससे पहले पाकिस्तान के कई पूर्व क्रिकेटर्स की तरफ से भी प्रतिक्रियाएं आई हैं। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान राशिद लतीफ उन लोगों में से एक हैं जो पीसीबी के हाइब्रिड मॉडल पर सहमत होने के तरीके से खुश नहीं हैं। उन्होंने कहा कि 2027 के बाद महिला क्रिकेट टूर्नामेंट की पेशकश की जा रही है, हाइब्रिड मॉडल में चैंपियंस ट्रॉफी 2025 की मेजबानी के लिए कोई मुआवजा नहीं था। वहीं, बासित अली ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, 'अब कहा जा रहा है कि 2027 या 2028 में महिला विश्व कप की मेजबानी पाकिस्तान को दे दी जाएगी। हर कोई कहेगा, 'वाह जी वाह! यह शानदार है, एक नहीं बल्कि आईसीसी की दो प्रतियोगिताएं (पाकिस्तान में) होंगी। लेकिन इस तरह की घटनाओं का क्या मतलब है? ऐसा इसलिए किया जा रहा है कि 2026 में पाकिस्तान की टीम भारत का दौरा करेगी और भारतीय महिला टीम फिर पाकिस्तान आएगी। प्रसारकों को कोई नुकसान नहीं होगा।'उन्होंने कहा, 'क्या आप जानते हैं कि लॉलीपॉप क्या है? आईसीसी ने जो पाकिस्तान को दिया, वह एक लॉलीपॉप है, कि अगर आप इससे सहमत होते हैं तो लिखित में कुछ भी मत मांगिए और हम आपको आईसीसी का एक और टूर्नामेंट देंगे। इससे (पाकिस्तान को) कोई फायदा नहीं होगा। इसके बजाय उन्हें एशिया कप के लिए बोली लगानी चाहिए, जो अगले साल है। पीसीबी को इसके लिए पूछना चाहिए। महिला विश्व कप या अंडर-19 विश्व कप की मेजबानी से पीसीबी को फायदा नहीं होगा। अगर पीसीबी ने इस लॉलीपॉप को स्वीकार किया है तो यह हैरान करने वाला है।

बारिश के कारण तीसरे टेस्ट के पहले दिन का खेल समाप्त, 13.2 ओवर के बाद ऑस्ट्रेलिया 28/0

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली । लगातार बारिश के कारण भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीसरे टेस्ट के पहले दिन का खेल समाप्त हो गया है। मैच के शुरुआती दिन सिर्फ 13.2 ओवर का खेल ही हो सका। स्टंप्स तक ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में बिना किसी नुकसान के 28 रन बनाए हैं। उस्मान ख्वाजा 19 रन और नाथन मैकस्वीनी चार रन बनाकर नाबाद हैं। गाबा टेस्ट के पहले दिन बारिश के कारण बार-बार खेल बाधित हुआ। पहली बार 5.3 ओवर के बाद बारिश के कारण 20-25 मिनट का खेल बर्बाद हुआ था। फिर 13.2 ओवर के बाद एक बार फिर खेल को रोकना पड़ा। शुरुआती दिन पहले सत्र में फिर भी कुछ खेल संभव हुआ, लेकिन लंच ब्रेक से पहले ही बारिश दोबारा शुरू हुई और मैच को रोकना पड़ा। दूसरे सत्र का खेल पूरी तरह धुल गया था, लेकिन इसके बाद भी स्थिति नहीं बदली और अंपायर ने स्टंप का फैसला किया। पहले दिन बारिश के खलल के कारण अब दूसरे दिन 98 ओवर फेंके जाएंगे और मैच तय समय से आधे घंटे पहले शुरू होगा। यानी दूसरे दिन का मुकाबला भारतीय समयानुसार, सुबह 5:20 बजे शुरू होगा। इससे पहले, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे टेस्ट में भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। भारतीय टीम ने इस मैच के लिए प्लेइंग-11 में दो बदलाव किए। रविचंद्रन अश्विन और हर्षित राणा को बाहर किया गया। उनकी जगह रवींद्र जडेजा और आकाश दीप की टीम में वापसी हुई। वहीं, ऑस्ट्रेलियाई टीम में एक बदलाव है। स्कॉट बोलैंड की जगह जोश हेजलवुड को शामिल किया गया।

राशि फल

कुछ कार्य जिसकी पिछले कुछ दिनों से प्लानिंग चल रही है, आज शुरू हो सकता है, जिससे आपको आर्थिक स्थिति में लाभ होगा। व्यापार-व्यवसाय में परिवर्तन की योग बन रहे हैं	आज का दिन अच्छा है। परिवार में कोई नया सदस्य आ सकता है। आपके स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। व्यापार आदि में सहयोगी पार्टनर के माध्यम से आय के नए स्रोत बनेंगे	किसी कार्य विशेष को लेकर आज यात्रा आदि पर बाहर जा सकते हैं। यात्रा में सावधानी बरतें, नहीं तो आपको नुकसान हो सकता है। साथ ही परिवार में किसी अपने के स्वास्थ्य से आप चिंतित रह सकते हैं।	आज आप व्यर्थ की भागदौड़ से परेशान हो सकते हैं। आपका मन अशांत रहेगा। कार्य की अधिकता के कारण थकावट आदि महसूस होगी।
आज आप मानसिक रूप से उलझे रहेंगे। किसी बात को लेकर परिवार में परेशानी बढ़ सकती है, लेकिन आप अपनी कुशलता से उसे हल करने में सफल होंगे। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।	नौकरी आदि के लिए यदि प्रयास कर रहे है तो, आज आपको सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य आपका ठीक रहेगा, परंतु परिवार में माता-पिता का स्वास्थ्य बिगड़ सकता है।	आज आपका कोई महत्वपूर्ण कार्य न होने से आप मानसिक तौर से परेशान रह सकते है। आर्थिक स्थिति के कारण आपको किसी से मदद मांगनी पड़ सकती है। व्यापार-व्यवसाय में भी इस समय गिरावट महसूस होगी।	आज आप पतनी के स्वास्थ्य को लेकर कुछ परेशान रहेंगे। परिवार के लोग सहयोग करेंगे। व्यापार-व्यवसाय में अपने साथियों के विरोध के कारण आपको बड़ा नुकसान हो सकता है।
स्वास्थ्य को लेकर आप परेशान हो सकते हैं। साथ ही नौकरी आदि में अधिकारी वर्ग से मतभेद बढ़ने से आपकी परेशानी बढ़ेगी।	आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। किसी अपने के द्वारा आपको कार्यक्षेत्र में बड़ा काम मिल सकता है, जिस कारण मन प्रसन्न रहेगा।	आत्मविश्वास में कमी रहेगी। मानसिक शांति रहेगी लेकिन असंतोष भी रहेगा। परिवार में शांति बनी रहेगी। पिता का सहयोग मिलेगा।	मान-सम्मान बढ़ेगा। नौकरी में पदोन्नति के योग हैं। आत्मविश्वास बन रहेगा। शिक्षा से जुड़े काम सफल होंगे।

खराब फॉर्म से जूझ रहे भारत का सामना आज वेस्टइंडीज से, हरमनप्रीत के प्रदर्शन पर रहेंगी नजरें

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली । भारत ने वेस्टइंडीज के खिलाफ नवंबर 2019 से अब तक टी20 प्रारूप में सभी आठ मैच जीते हैं, लेकिन इस लय को बनाए रखने के लिए भारतीय टीम को आत्मविश्वास के साथ उतरना होगा और अपने संसाधनों का बेहतर इस्तेमाल करना होगा।लगातार आलोचना का सामना कर रही हरमनप्रीत कौर की कप्तानी वाली भारतीय महिला क्रिकेट टीम को ऑस्ट्रेलिया दौरे पर तीनों वनडे मैच हारने के गम को भुलाकर रविवार से नवी मुंबई में वेस्टइंडीज के खिलाफ शुरू हो रही तीन मैचों की टी20 सीरीज में बेहतर प्रदर्शन करके जीत की राह पर लौटना होगा। मैच रविवार शाम सात बजे से खेला जाएगा। भारत ने वेस्टइंडीज के खिलाफ नवंबर 2019 से अब तक टी20 प्रारूप में सभी आठ मैच जीते हैं, लेकिन इस लय को बनाए रखने के लिए भारतीय टीम को आत्मविश्वास के साथ उतरना होगा और अपने संसाधनों का बेहतर इस्तेमाल करना होगा। आस्ट्रेलिया में वनडे सीरीज के दौरान चयन के कई विवादित फैसलों के कारण हरमनप्रीत पर सवाल उठे हैं। देखना यह है कि कब तक चयनकर्ता उन पर भरोसा बनाए रखते हैं और स्मृति मंधाना को बागडोर सौंपने के लिए इंतजार करते ह टी20 विश्व कप से जल्दी बाहर होने के बाद भारत की यह पहली टी20 सीरीज है। भारत ने न्यूजीलैंड को घरेलू वनडे सीरीज में हराया था, लेकिन आस्ट्रेलिया में 3-0 से पराजय का सामना करना पड़ा। हरमनप्रीत का अपना बल्लेबाजी फॉर्म चिंता का सबब है और कप्तानी में कुछ नया नहीं कर पाने से भी टीम की मुश्किलें बढ़ी है। चयनकर्ताओं ने एक बार फिर शेफाली वर्मा को जगह नहीं दी है, लेकिन भारत में टी20 क्रिकेट में उनका प्रदर्शन अच्छा रहा है। ऑस्ट्रेलिया में पर्थ में बुधवार को आखिरी वनडे हारकर लौटी भारतीय टीम को पर्याप्त आराम नहीं मिला है और उसे रविवार को डी वाई पाटिल स्टेडियम पर पहला मैच खेलना है। तीनों मैच एक एक दिन के अंतराल पर होंगे जिसमें टीम की फिटनेस और मनोबल की कड़ी परीक्षा होगी । भारतीय टीम पूजा वस्त्राकर, श्रेयांका पाटिल, यास्तिका भाटिया , प्रिया पूनिया और शेफाली के बिना खेल रही है। शेफाली ने इस प्रारूप में 2024 में सर्वाधिक 531 रन बनाए हैं। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर उनका चयन इसलिए नहीं किया गया क्योंकि वनडे में उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है, लेकिन टी20 टीम में नहीं चुना जाना समझ से परे है। इससे ऋचा घोष पर दबाव बढ़ेगा जो निचले क्रम पर तेजी से रन बनाती है। पूनिया के भी चोट के कारण बाहर होने से घोष को पारी का आगाज करना होगा। इसी तरह तेज गेंदबाज अरूंधति रेड्डी को भी नहीं चुना गया जिन्होंने तीन दिन पहले आस्ट्रेलिया में वनडे में चार विकेट लिए थे । टी20 विश्व कप में भी उनका प्रदर्शन अच्छा रहा है। दूसरी ओर वेस्टइंडीज ने इस साल 13 में से नौ टी20 मैच जीते हैं। उसने इंग्लैंड को टी20 विश्व कप में हराया। उसे सीनियर हरफनमौला स्टेफानी टेलर की कमी खलेगी जो चोट के कारण बाहर हैं।भारत : हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, नंदिनी कश्यप, जेमिमा रॉड्रिग्स, ऋचा घोष, उमा छेत्री, दीप्ति शर्मा, सजीवन साजना, राघवी बिष्ट, रेणुका ठाकुर, प्रिया मिश्रा, टिटास साधू, साइमा ठाकोर, मिन्नू मनी, राधा यादव।

सम्पादकीय

मोहम्मद यूनुस के शासन में आखिर कहां जा रहा है पड़ोसी मुल्क

बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों पर लगातार अत्याचार हो रहे हैं। हाल ही में सत्ता परिवर्तन के बाद से स्थिति और बिगड़ गई है। हिंदू साधुओं की गिरफ्तारी और उनके खिलाफ हिंसा की घटनाएं बढ़ रही हैं। अंतरराष्ट्रीय समुदाय इस मुद्दे पर क्यों चुप्पी साधे हुए है नस्लीय बर्बरता और हिंसा की वजह से सुर्खियों का हिस्सा बने बांग्लादेश में भारतीय विदेश सचिव के दौरे के बाद आशंकाओं का बादल अब और भी साफ होने चला है। कहना गलत नहीं होगा कि वो जो कातिल है वही निज़ाम वही मुंसिफ है वो क्या ख़ाक हिन्दू अल्पसंख्यकों के हक़ में फैसला लेगा। बांग्लादेश की राजधानी ढाका में वार्षिक द्विपक्षीय वार्ता में हिस्सा लेने पहुंचे भारतीय विदेश सचिव विक्रम मिसरी की यात्रा के परिणामो के लेकर जिस तरीके के कयास लगाए जा रहे थे ठीक वैसा ही फलाफल निकल कर सामने आया है।दरअसल, बांग्लादेश में हो रहे अल्पसंख्य हिन्दू उत्पीड़न पर भारतीय विदेश सचिव की बेलाग और वाज़िब बयान पर अंतरिम सरकार के निज़ाम यूनुस और उनके प्रशासन ने इसे बांग्लादेश का आंतरिक मामला भर कहकर अपनी मंशा और योजना दोनों जाहिर कर दी है। इसी बीच मज़हबी कट्टरपंथी बांग्लादेशी नेताओं के बड़बोलेपन पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी तल्ख़ पलटवार किया है। बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना ने मोहम्मद यूनुस और उनके शासन को फासीवादी करार देते हुए बांग्लादेशी कानून के मुताबिक निज़ाम और उनके सरपरस्तों का हिसाब करने की कसम उठाई है।सत्ता के संरक्षण में सम्पूर्ण बांग्लादेश में हिन्दू नरसंहार की वीभत्स योजना पर काम कर रहे कार्यवाह प्रधानमंत्री यूनुस के नोबल पुरस्कार के खिलाफ भी नागरिक समूहों ने नोबेल कमेटी के सामने आपत्ति खड़े किए हैं। इन सभी घटनाक्रमों के बीच बांग्लादेश खबरों की सुर्खियों का हिस्सा है। इन चर्चाओं मे सबसे बड़ी चर्चा फिलहाल वहां के अल्पसंख्यक हिंदू विरोधी चरित्र को लेकर है। ऐसा भी नही है कि यहां ये सब कोई पहली बार हो रहा है। दरअसल, अतीत में भी यहां के हिंदू समुदाय को यह सब झेलना पड़ा है, लेकिन पांच अगस्त 2024 के बाद से हालात कहीं बुरे है। इस दिन यहां एक अप्रत्याशित मगर सुनियोजित घटना उपरांत निर्वाचित सरकार को अपदस्थ कर दिया गया था तब से बांग्लादेश की बागडोर उन हाथों में है जिनका विश्वास लोकतंत्र एवं मानवाधिकार मे कतई नहीं है और जिसका प्रमाण सत्ता प्रायोजित अनवरत् जारी हिंसा और दमन है। बात तत्कालीन घटना की करें तो यह एक हिंदू साधु चिन्मय कृष्ण दास के गिरफ्तारी से संबंधित है। पहले इन्हें राष्ट्रद्रोह के आरोप मे फिर इनके सहयोगियों को हिरासत में लिया गया है। यहां तक कि जेल में इन साधुओं को बाहर से भोजन उपलब्ध कराने के नाते भी गिरफ्तारियां हुई है, क्योंकि अपने भोजन संबंधित नियमों के नाते ये कुछ भी और कही का भी खाना नहीं खा सकते हैं। इस नाते कई दिन बिना भोजन के भी इन लोगों ने गुजारा है। बात इनके आंदोलन की करें तो धार्मिक उत्पीड़न और हिंसा का शिकार हिंदू समुदाय अपने एक आठ सूत्री मांग के साथ देशव्यापी प्रदर्शन कर रहा था। इस दौरान पूरे बांग्लादेश में शांतिपूर्ण सभाओं का दौर जारी था। इसी का चेहरा गौड़ीय वैष्णव परंपरा से संबद्ध संस्था इस्कॉन के चटगांव आश्रम प्रमुख साधु चिन्मय प्रभु थे। ऐसे में बजाय अराजक तत्वों पर अंकुश की जगह शासन ने विरोध के स्वर को कुचलने के लिए ये बर्बर कार्यवाही की है। इधर, रहा सवाल आरोपों का तो ये मसला न्यायालय के विचार का है, लेकिन जिस प्रकार से इसे अनावश्यक तूल दिया गया है वो बेहद खतरनाक है। पूरे देश में हिंदू विरोधी हिंसा का माहौल है। इसी क्रम में एक अप्रत्याशित दुखांत घटना भी घटी है। विरोध प्रदर्शनों के बीच एक मुस्लिम वकील की हत्या हो गई, जिसके उपरांत हिंदू उत्पीड़न का सिलसिला सा पुनः चल पड़ा है और जिसकी परिणति चिन्मय प्रभु के पक्षकार अधिवक्ता के ऊपर आत्मघाती हमला है जिसके उपरांत वो अस्पताल में मौत से जूझ रहे हैं। यही नही मुस्लिम अधिवक्ता हत्या मे बिला वजह 70 हिंदू वकीलों को आरोपी बनाया गया है। इस नाते भय के कारण कोई भी वकील इनके लिए न्यायालय में खड़े होने को तैयार नहीं हैं। न्यायालय पर मतांध शासन और मजहबी भीड़ दोनों का दबाब है। इस नाते सुनवाई अब जनवरी मे होनी है। यहां न्याय की मांग कर रहे हिंदुओं पर मतांध मुस्लिम भीड़ का टूट पड़ना अब सामान्य बात है।

मूमल मेहर और भरत सिंह जैसी न हो सुशीला मीणा की स्थिति

सुशीला मीणा के बॉलिंग एक्शन की तुलना सचिन तेंदुलकर ने पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज जहीर खान से की। सोशल मीडिया एक्स पर जहीर खान को टैग भी किया। सुशीला मीणा का एक्शन बहुत सहज और प्रभावशाली है। वो पहले

से ही बहुत आशाजनक दिख रही हैं। राजस्थान के प्रतापगढ़ जिले के धरियावद तहसील के गांव रामेर तलाब की सुशीला मीणा का एक वीडियो पिछले कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर घूम रहा था, जिसमें वो स्कूल की ड्रेस में विकेट लगाकर गेंदबाजी करती दिख रही है, लेकिन जैसे ही भारत रत्न और क्रिकेट के मास्टर ब्लॉस्टर सचिन तेंदुलकर ने सुशीला के वीडियो को सोशल मीडिया एक्स पर साझा किया तो एकाएक दुनिया की नजर सुशीला की ओर चली गई। तेंदुलकर के साझा किए सुशीला के वीडियो को चंद घंटों में 40 लाख से अधिक लोगों ने देखा है। हालांकि, सुशीला राजस्थान की पहली ऐसी बच्ची नहीं है, जिसके क्रिकेट के हुनर को लेकर सचिन तेंदुलकर ने अपनी राय रखी हो। जब भी सचिन तेंदुलकर जैसे बड़े क्रिकेटर किसी ग्रामीण युवा को लेकर कुछ लिखते हैं तो सभी में एक जागृति आ जाती है। सभी लोग उस युवा के पीछे दौड़ने लगते हैं। फिर समय के साथ सभी लोग यह भूल जाते हैं कि उन्होंने क्या वादे ऐसी युवा प्रतिभाओं से किए थे?बात फरवरी 2023 की है। उस समय राजस्थान के बाड़मेर जिले के रेगिस्तानी गांव शिव शेरपुर कानासर की मूमल मेहर का एक वीडियो सचिन तेंदुलकर ने सोशल मीडिया एक्स पर साझा किया था। वीडियो में मूमल बल्लेबाजी करती दिख रही थी। सचिन तेंदुलकर के वीडियो शेयर करने के बाद तत्कालीन केंद्रीय कृषि राज्यमंत्री व बाड़मेर के पूर्व सांसद कैलाश चौधरी, भाजपा के पूर्व राजस्थान अध्यक्ष सतीश पूनियां, पाली के सांसद पी.पी. चौधरी, दिल्ली महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष स्वाति मालीवाल से लेकर अनेक लोगों ने मूमल के वीडियो को साझा किया था।

भारत के सांस्कृतिक गौरव का प्रतीक, 'कुंभ नगरी प्रयागराज'

प्रयागराज वह स्थान है, जहां मानवता का सबसे बड़ा समागम, कुंभ- महाकुंभ-मेला होता है। इस त्यौहार को आमतौर पर दुनिया में सबसे शांतिपूर्ण मानव सभा के रूप में अतिशयोक्ति के साथ संदर्भित किया जाता है, जो भक्ति और एकता का समग्र प्रतीक है। दरअसल, इस विशेष अवधि के आसपास, विभिन्न देशों और साक्षात् प्रतीक हैं। यह परिवेश दर्शाता है कि भौतिकवाद और अराजकता से ग्रस्त दुनिया में आस्था कितनी शक्ति दे सकती है। विविधता में भारतीय एकता का एक छोटा सा स्वरूप। इस तरह के तीर्थ और स्वच्छता, व्यवस्था और स्वास्थ्य सेवा का प्रबंधन कैसे करता है। वास्तव में, यह भारत की परंपरा और आधुनिकता के बीच सामंजस्य को दर्शाता है। वास्तव में, यह एक प्रेरणादायक उदाहरण है, जो प्राचीन ग्रंथों और महाभारत जैसे महाकाव्यों में दर्ज है, हर नुक्कड़ और कोने में एक कहानी कहता है, चाहे वह इसके घाट हों, इसके मंदिर हों या ऋषियों और कवियों से इसका लगाव हो। कोई भी शहर प्रयागराज और उसके पवित्र समागम को देखता हूं, तो मुझे सिर्फ़ कर्मकांडों और धर्म से परे एक संदेश दिखाई देता है। कुंभ आस्था, धीरज और मानवीय भावना का महिमामंडन करता है। यह समुदाय, प्रकृति की

किया जाता है, जो भक्ति और एकता का समग्र प्रतीक है। भारतीय सांस्कृतिक एकता और गौरव के प्रतीक के रूप में पवित्र धार्मिक नगरी प्रयागराज भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक पहचान को प्रस्तुत करने वाली विश्वविख्यात आध्यात्मिक नगरी है। संगम नगरी प्रयागराज में गंगा, यमुना और पौराणिक सरस्वती को भित्तिचित्रों में एक साथ रखा गया है, क्योंकि हिंदू धर्म दर्शन में इस शहर का सबसे अधिक पौराणिक महत्व है। यह न तो नदियों का भौगोलिक संगम है और न ही आस्था और प्रकृति का त्रि-बिंदु है। इसका एक गौरव यह है कि प्रयागराज वह स्थान है, जहां मानवता का सबसे बड़ा समागम, कुंभ- महाकुंभ-मेला होता है। इस त्योहार को आमतौर संस्कृतियों और जीवन के क्षेत्रों के लोग यह मानने लगे हैं कि वे पवित्र स्नान की सहायता से जीवन को समग्रता में बदल सकते हैं। पवित्र संगम के विविध घाटों पर उपस्थित होना, जहां मंत्र, ध्यान पूर्ण मौन और बहुत विस्तृत अनुष्ठान मिलते हैं, वास्तव में एक अलग जीवन जीने जैसा है। मेरे लिए, कुंभ एक सांस्कृतिक घटना का प्रतिनिधित्व करता है, न कि केवल एक धार्मिक आयोजन। संतों के प्रवचनों से गुंजायमान एक साथ रखे गए नयनाभिराम रंग-बिरंगे तंबुओं के रंग अतुलनीय हैं। वहां प्रार्थनाओं से लगातार गंजरित और सुशोभित रहने वाला वातावरण और नदी के किनारे ध्यान कर रहे भगवाधारी साधु, भारत की शाश्वत आत्मा की बात करते हुए आध्यात्मिकता के यात्री हर भाषा, हर जाति और यहां तक कि सबसे विविध सांस्कृतिक पृष्ठभूमि से आते हैं। वे सभी भक्ति में सभी मतभेदों को दूर करके एकता में आस्था रखकर आते हैं। यही एकता है; यहां सामूहिक आध्यात्मिक पहचान की एकता में विलीन होना। यह वह संदेश है जिसे हर खंडित समाज को अवश्य सुनना चाहिए। अपने आध्यात्मिक आकर्षण से परे, यह कुंभ एक अद्वितीय तार्किक और संगठनात्मक घटना की अनुपमेय उदाहरण है। यानी, एक समय में कई हफ्तों तक लाखों लोगों का प्रबंधन करने के लिए सटीकता, अनुशासन और समावेशी भाव की आवश्यकता होती है। इस आयोजन में जिन चीजों पर ध्यान दिया जाता है, उनमें यह भी शामिल है कि यह स्वच्छ जल दिखाता है कि आधुनिक परिवेश में प्राचीन रीति-रिवाज सहजता से कैसे पनप सकते हैं। प्रयागराज एक और भी महत्वपूर्ण कारण का गवाह हैः पर्यावरण चेतना की आवश्यकता। शहर को परिभाषित करनेवाली पवित्र नदियाँ न केवल आध्यात्मिकता के लिए, बल्कि लाखों लोगों के भरण-पोषण के लिए भी जीवन रेखाएं हैं। कुंभ इस तथ्य को और भी अधिक उजागर करता है कि उन पवित्र नदियों को प्राकृतिक संसाधनों के रूप में संरक्षित किया जाना चाहिए। पानी सबको समग्र रूप से शुद्ध करता है और इसलिए हमें माँ प्रकृति के पोषण और सुरक्षा में इस की देखभाल करनी चाहिए। कुंभ प्रयागराज की सांस्कृतिक संपदा का एक अंश मात्र है। यह शहर, जिसका इतिहास पुराणों जैसे जो ज्ञान के साथ-साथ कला का निवास होने की इतनी लंबी विरासत का दावा कर सकता है, वह स्वचालित रूप से अनंत काल तक जीवित संस्कृति के शहर के रूप में अस्तित्व में आने के योग्य होगा। बहुत से लोगों के लिए, कुंभ के दौरान प्रयागराज को देखना सिर्फ़ तीर्थयात्रा नहीं है; यह भीतर की ओर उतरनेवाली आध्यात्मिक यात्रा भी है। यह आत्मा के साथ-साथ शरीर को भी शुद्ध करने का मार्ग बतलाता है। यह समर्पण का क्षण है, जो उन्हें जीवन के गहरे उद्देश्य को जानने के निकट लाता है। यही वह पक्ष है, जो धर्म की दिशा प्रदान करता है- दैनिक व्याकुलता से पीछे हटने का मार्ग देता है, जिसके कारण ऐसी स्पष्टता और शांति शायद ही कहीं और मिले। जब मैं पवित्रता और वास्तव में उच्च चेतना की खोज की याद दिलाता है। भव्य रूप से, यह प्रयागराज है-शहर सिर्फ़ एक गंतव्य नहीं है, बल्कि एक जीवंत, सांस लेने वाला अनुभव है, जो प्रेरणा और उत्थान को जारी रखने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह सांसारिक और दिव्य, ऐतिहासिक और आधुनिक, व्यक्तिगत और सामूहिक के बीच एक सेतु का काम करता है, जो हमेशा के लिए अपने हृदय और जीवन को प्रकाश पुंज से प्रकाशित होने के लिए सांत्वना और प्रेरणा देता है। ऐसी पुण्यसलिला पवित्र आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक नगरी प्रयागराज एवं उसके अंतस् में अवस्थित आध्यात्मिकता का शिखर 'कुंभ', दोनों वरेण्य एवं वंदनीय हैं।

छुआछूत और भेदभाव के मुखर विरोधी थे स्वामी जी

कुछ इतिहासकार के मत के अनुसार स्वामी श्रद्धानन्द पहले व्यक्ति थे जिन्होंने सबसे पहले गांधी को महात्मा कहकर बुलाया। 1915 में जब वह भारत वापस आए तो वह पंडित मदन मोहन मालवीय के साथ स्वामी जी से मिलने गए। उसी सभा में पहली बार स्वामी श्रद्धानंद ने गांधी को महात्मा कहकर बुलाया था। स्वामी श्रद्धानन्द सरस्वती जैसे युगपुरुष सदियों में एक-दो ही जन्म लेते हैं। अपने महान कार्यों से उन्होंने राष्ट्र एवं समाज पर अमिट छाप छोड़ी है। लेकिन क्या आज की पीढी वास्तव में स्वामी श्रद्धानन्द जी से परिचित है? स्वामी श्रद्धानन्द सरस्वती भारत के निर्भीक स्वतंत्रता सेनानी, महान शिक्षाविद, आर्य समाज के प्रचारक, समाज सुधारक एवं पत्रकार थे। वे ऐसे राष्ट्रभक्त थे जिन्होंने अपना सर्वस्व स्वदेश, स्वराज्य ,स्वधर्म,स्वभाषा एवं शिक्षा के प्रचार प्रसार के लिए समर्पित कर दिया।स्वामी श्रद्धानन्द जी का जन्म 22 फरवरी 1856 को पंजाब प्रान्त के जालंधर जिले के तलवन नामक कस्बे में हुआ। 23 दिसंबर, 1926 को अब्दुल रशीद नाम के एक इस्लामी कट्टरपंथी ने स्वामी श्रद्धानंद जी की हत्या कर दी थी। स्वामी श्रद्धानंद जी के बलिदान दिवस पर हम सब उनकी महानता को जान कर ही उन्हें सच्ची स्मरणांजलि दे पाएंगे। स्वामी श्रद्धानन्द जी का जन्म का नाम बृहस्पति था किन्तु परिवार में वह मुंशीराम के नाम से ही जाने गए। उनके तीन भाई और दो बहनें थीं। सबसे छोटे होने के कारण वे परिवार में सबके लाडले थे। उनके पिता नानकचंद विज पुलिस इंस्पेक्टर के पद पर कार्यरत थे। सुख- सुविधाएं तथा परिवार के प्यार से मुंशीराम का जीवन भोग -विलास में डूबता जा रहा था।इसी अस्थिर, निरंकुश जीवन में उनका विवाह शिवा देवी से हुआ। जीवन में स्थिरता दयानन्द सरस्वती से मिलने और पत्नी के पतिव्रत धर्म से बदलाव आया। किसी का जीवन अंधकार से प्रकाश की ओर किस प्रकार जाता है और उसे ठकल्याण मार्ग का पथिकठ बना देता है, उसका सर्वोत्कृष्ट उदाहरण स्वामी श्रद्धानन्द जी का जीवन है। शिक्षा प्रणाली, धर्म-जाति एवं राष्ट्र निर्माण पर बहुमूल्य विचार स्वामी श्रद्धानन्द जी का मानना था कि शिक्षा सामाजिक परिवर्तन का एक शक्तिशाली साधन है। लाहौर में वकालत की पढ़ाई पूरी की थी। अंग्रेजी शिक्षा के कारण वे नास्तिक हो गए थे किंतु जब उन्होंने वाराणसी में महर्षि दयानंद के वेद

प्रचार कार्यक्रम में हिस्सा लिया तो वह उनसे बहुत प्रभावित हुए। कुछ इतिहासकार के मत के अनुसार स्वामी श्रद्धानन्द पहले व्यक्ति थे जिन्होंने सबसे पहले गांधी को महात्मा कहकर बुलाया। गांधी जब दक्षिणी अफ्रीका में थे तब भी दोनों एक-दूसरे को चिट्ठियां लिखा करते थे। 1915 में जब वह भारत वापस आए तो वह पंडित मदन मोहन मालवीय के साथ स्वामी जी से मिलने गए। उसी सभा में पहली बार स्वामी श्रद्धानंद ने गांधी को महात्मा कहकर बुलाया था। शिक्षा आश्रम (गुरुकुल) की स्थापना के लिए दान इकट्ठा करने के लिए वह लखनऊ से पेशावर तक तथा दक्षिण में मद्रास तक गए, तब जाकर 40 हजार रुपए इकट्ठे करके 21, 22, 23 और 24 मार्च 1902 को मुंशी अमन सिंह के दान दिए गए और गांव कांगड़ी में गुरुकुल की स्थापना की, वहीं से दिन-रात आर्य समाज के कार्य में लग गए गुरुकुल कांगडी विश्वविद्यालय की स्थापना हरिद्वार में कर शिक्षा के क्षेत्र में क्रांति की। वहां अपने बेटे हरीश्चंद्र और इंद्र को सबसे पहले प्रवेश करवाया। शिक्षा के क्षेत्र में आचारवान व्यक्ति की महती आवश्यकता है। जनचेतना बढ़ाने वाले स्वामी जी चरित्रवान व्यक्तियों के अभाव में महान से महान व धनवान से धनवान राष्ट्र भी समाप्त हो जाते हैं। उन्होंने किसी भी प्रकार के भेदभाव का मुखर विरोध किया। उन्होंने समाज के हर वर्ग में जनचेतना जगाने का कार्य किया। उन्होंने प्रबल सामाजिक विरोधों के बावजूद अपनी बेटी अमृत कला, बेटे हरिश्चद्र व इंद्र का विवाह जातिगत समस्त बंधनों को तोड़ कर कराया। उनका विचार था कि छुआछूत ने इस देश में अनेक जटिलताओं को जन्म दिया है। स्वामी श्रद्धानन्द का विचार था कि अज्ञान, स्वार्थ व प्रलोभन के कारण धर्मांतरण हो रहे हैं। उनका मानना था कि बिछुड़े स्वजनों की शुद्धि करना देश को मजबूत करने के लिए परम आवश्यक है। इसीलिए, स्वामी जी ने भारतीय हिन्दू शुद्धि सभा की स्थापना की और दो लाख से अधिक मलकानों को शुद्ध किया। 12 अप्रैल 1917 को मायापुर वाटिका कनखल में संन्यास ग्रहण कर उन्होंने अपना नाम स्वामी श्रद्धानंद रखवाया। वर्ष 1919 में जलियांवाला बाग हत्याकांड के बाद अमृतसर कांग्रेस अधिवेशन के स्वागत समिति के अध्यक्ष के रूप में अपने संबोधन में उन्होंने कहा था कि ङ्घसामाजिक भेदभाव के कारण आज हमारे करोड़ भाइयों के दिल टूटे हुए हैं, जातिवाद के कारण इन्हें काट कर फेंक दिया हैं, भारत मां के ये लाखों बच्चे विदेशी सरकार के जहाज का लंगर बन सकते है, लेकिन हमारे भाई नहीं क्यों? मैं आप सभी भाइयों और बहनों से यह अपील करता हूं कि इस राष्ट्रीय मंदिर में मातृभूमि के प्रेम के पानी के साथ अपने दिलों को शुद्ध करें और वादा करें कि ये लाखों-करोड़ों अब हमारे लिए अछूत नहीं रहेंगे, बल्कि भाई-बहन बनेंगे। अब उनके बेटे और बेटियां हमारे स्कूलों में पढ़ेंगे, उनके पुरुष और महिलाएं हमारे समाजों में भाग लेंगे। आजादी की हमारी लड़ाई में वे हमारे साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े होंगे और हम सभी अपने राष्ट्र की पूर्णता का एहसास करने के लिए हाथ मिलाएंगे।ङ्घ दलितों को धार्मिक स्थलों में प्रवेश नहीं दिए जाने से वह बहुत आहत थे। मनुष्य का मनुष्य से ऐसा बरताव उन्हें कचोटता था। स्वामीजी ने दलितों के साथ हो रहे छुआछूत का मुखर विरोध किया और हवन यज्ञ में साथ बिठाकर सदियों से चली रही असमानता को खत्म करने का काम किया। उस समय कट्टरवादियों ने उनका विरोध भी किया लेकिन वह सामाजिक असमानता के खिलाफ लड़ाई लड़ते रहे। आज के दलित वोट बैंक राजनीति के विपरीत उन्होंने दलित शिक्षा एवं छूआछूत का मुखर विरोध किया। स्वामी श्रद्धानन्द का मानना था कि राष्ट्र धर्म को बढ़ाने के लिए, प्रत्येक नगर में एक हिन्दू-राष्ट्र मंदिर होना चाहिए, जिसमें 25 हजार व्यक्ति एक साथ बैठ सकें। वहां वेद, उपनिषद, गीता, रामायण, महाभारत आदि का निरंतर पाठ हो। मंदिरों में व्यायामशाला भी हों जहां, व्यायाम द्वारा शारीरिक शक्ति भी बढ़ाई जाए। गायत्री मन्त्र की शक्ति पर उन्हें अटूट विश्वास था। स्वामी जी के विशाल व्यक्तित्व में साम्प्रदायिकता कहीं नहीं थी। अगर ऐसा होता तो जामा मस्जिद में बुला कर उनका प्रवचन नहीं करवाया जाता। गुरुकुल के प्रांगण में उन्होंने अपने मुसलमान मित्रों को नमाज के लिए यज्ञशाला में अनुमति नहीं दी होती। उनके लिए सभी बराबर थे और जीवन भर उन्होंने इस सिद्धांत का पालन किया। अब्दुल रशीद नामक धार्मिक उन्मादी ने उन्हें गोली मारी। स्वामी जी के पुत्र प्रो. इंद्र विद्यावाचस्पति ने लिखा है कि यह भाग्य का चक्र है कि एक मुसलमान ने उन्हें मारा जबकि एक मुसलमान डॉ अंसारी ने उन्हें न्यूमोनिया होने पर मौत के मुंह से बचाया था। ठपरमात्मा की अद्भुत लीला ऐसे ही रूपों में अपने को प्रगट किया करती है। डॉ अंसारी और अब्दुल रशीद मनुष्य जाति के रोशन और स्याह पहलुओं के दो नमूने हैं। ठ स्वामी श्रद्धानंद जी ने राष्ट्र निर्माण एवं सामाजिक समरसता के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। उन्होंने अछूतोद्धार एवं शुद्धि आंदोलन से राष्ट्र की अमूल्य सेवा की। राष्ट्र, धर्म, संस्कृति पर निःस्वार्थ से बलिदान देने वालों में स्वामी श्रद्धानंद का नाम अविस्मरणीय है। स्वराज्य ,वैदिक संस्कृति की समरसता के प्रसारर्थ स्वामी श्रद्धानंद जीवन भर प्रयत्नशील रहे। देश ,धर्म ,संस्कृति ,सभ्यता ,राष्ट्रबोध ,शिक्षा आदि समग्र क्षेत्रों में स्वामी जी प्रतीक स्वरूप थे भारतीय संस्कृति के मुख्य तत्व वीरता ,अदम्य उत्साह,दीन दुखियों के प्रति दया की भावना उनके व्यक्तित्व में समाहित थे।उनका जीवन सदैव भावी पीढ़ियों के लिए पथप्रदर्शक का काम करता रहेगा। भारतीय संस्कृति के पुंज ,निर्भीकता ,साहस ,सच्चाई ,संयमी ,स्वाभिमानी ,स्वदेशाभिमान की प्रतिमूर्ति, राष्ट्रीयता की अलख जगाने वाले क्रांतिकारी संन्यासी स्वामी श्रद्धानन्द जी को उनकी पुण्यतिथि पर कोटिशः नमन।

ADHUNIK TUTORIALS

" FOR THE STUDENTS, FROM A STUDENT "

FOR CLASSES 1st 5th

(ADMISSION OPEN)

FACILITIES

- Air Conditioned & Well Furnished Classroom
- Water Cooler Available
- Hygienic Washrooms
- CCTV for Safety Purposes
- In Campus Parking

Dr. (Er)PuneetArora (HON. DIRECTOR)
(B.Tech, M. Tech, MBA , Ph.D)
Awarded with ' Young Scientist & Best Teachers, Author of Many Books Chapters, Research Paper, Patent & Trademarks

Ms.Nilanjana Arora (Assistant Director)

- Ex. Student of Bethany Convent School, Bishop Johnson School & College, Girl's High School & College
- Pursuing B.Tech
- Awarded by TCS
- Certification in the Field of Web Development and Machine Learning .

Ms. Riya Arora (Counsellor)

- Ex. Student of Delhi Public School.
- Subject Topper of Delhi Public School
- Pursuing LLB from University of Allahabad .

Address: B-Block, ADA Colony, Mtek Campus, Naini, Prayagraj .

Contact :- Call and Whatsapp: 8542919234

भाकियू अजगर ने भंग की राष्ट्रीय एवं प्रदेश की कार्यकारिणी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नोएडा। अजगर सेना की किसान विंग भारतीय किसान यूनियन (अजगर) की सभी राष्ट्रीय व प्रदेश पदाधिकारियों, कार्यकारिणी को संगठन के आगामी विस्तार को देखते हुए सोमवार को नोएडा के प्रेस क्लब में आयोजित प्रेस वार्ता में भंग कर दिया गया है। इस दौरान कार्यकारी अध्यक्ष पंडित सचिन शर्मा ने बताया कि नए पदाधिकारियों एवं समितियों जल्द गठन किया जाएगा। भाकियू (अ.) पूर्व की भांति ही पूरे मनोयोग से किसानों से सम्बंधित विषयों एवं समस्याओं का हल कराने एवं किसानों के जीवन स्तर में सकरात्मक बदलाव लाने के लिए कृत संकल्पित है। अगले सप्ताह सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा और संगठन का नए सिरे से गठन किया जाएगा।भाकियू अजगर के संरक्षक नंदकिशोर गुर्जर भी उपस्थित रहें किसान दिवस पर कचेडा गांव में किसानों के मसीहा को दी श्रद्धांजलि, कहा किसान आंदोलन में गिरफ्तार किसानों की रिहाई है प्राथमिकता गौतमबुद्धनगर के कचेडा गांव में आयोजित किसान दिवस पर कार्यक्रम में भाकियू अजगर के पदाधिकारियों ने किसानों के मसीहा चौधरी चरण सिंह जी को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान कार्यकारी अध्यक्ष सचिन शर्मा ने कहा श्रधेय भारत रत्न चौधरी चरण सिंह किसानों के मसीहा के रूप में याद किए जाते हैं। किसानों के लिए उनका समर्पण इतना ज्यादा रहा है कि उनके जन्मदिन को किसान सम्मान दिवस के रूप में मनाया जाता है। वहीं इस दौरान लोनी से विधायक व भाकियू अजगर के संरक्षक नंदकिशोर गुर्जर ने भी भारत रत्न चौधरी चरण सिंह को श्रधांजलि अर्पित कर कहा कि देश के विकास की रीढ़ है किसान और आज देश एवं प्रदेश में किसानों स्थिति में सुधार आया है। किसानों का जीवन स्तर उठे और उनकी सभी समस्याओं का समाधान हो इस दिशा में संगठन कार्य कर रहा है। वहीं पं सचिन शर्मा ने कहा कि किसान आंदोलन में गिरफ्तार किये गए किसान भाईयों की रिहाई को लेकर प्रदेश सरकार से वार्ता हुई है और मा. मुख्यमंत्री जी ने आश्वस्त किया है कि सरकार सदैव किसानों से वार्ता एवं उनके समस्याओं के समाधान के पक्ष में रही है। संगठन का एक प्रतिनिधिमंडल शीघ्र प्रदेश के मा. मुख्यमंत्री जी से भेंट कर सभी विषयों का हल करवाने का कार्य करेगा।

युगधारा फाउंडेशन द्वारा स्कूल में क्रिसमस का जश्न धूमधाम से मनाया गया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नोएडा। नोएडा सेक्टर 93 युगधारा फाउंडेशन द्वारा न्यू नोएडा पब्लिक स्कूल में क्रिसमस का उत्साह और उमंग अपने चरम पर था, जब विद्यालय ने बच्चों के लिए यह विशेष कार्यक्रम आयोजित किया। विद्यालय की प्रधानाचार्या डा श्वेता त्यागी के मार्गदर्शन में आयोजित यह कार्यक्रम छात्रों के लिए एक यादगार दिन बन गया। कार्यक्रम में युगधारा की संरक्षक सुश्री तनुश्री बोस और वॉलंटियर सुश्री सीमा हंस की उपस्थिति ने इस उत्सव को और भी खास बना दिया। दिन की शुरुआत अतिथियों के गर्मजोशी से स्वागत के साथ हुई, जिसके बाद कई मनोरंजक गतिविधियां आयोजित की गईं। बच्चों ने जादू के शो का आनंद लिया, जो उनके चेहरों पर मुस्कान और हंसी लाने में कामयाब रहा। छात्रों द्वारा प्रस्तुत जोशीले नृत्य प्रदर्शन और मधुर क्रिसमस कैरोल्स ने उत्सव के माहौल को और भी जीवंत बना दिया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण सामूहिक केक-कटिंग समारोह था, जो एकता और खुशी का प्रतीक बना। विद्यालय ने सुनिश्चित किया कि हर बच्चा खुशी और यादों से भरा हुआ घर लौटे। इसके लिए सभी बच्चों के लिए गुडी बैग्स का भी प्रबंध किया गया। इस आयोजन को समावेशी और उत्साहपूर्ण बनाने के प्रयास स्पष्ट रूप से दिखाई दिए, क्योंकि बच्चों ने हर पल का भरपूर आनंद लिया।

केरल में परमाणु ऊर्जा केंद्र बनाने पर विचार, राज्य की मांग- थोरियम भंडार का हो सकेगा इस्तेमाल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। राज्य के ऊर्जा विभाग के अधिकारियों ने बताया कि केरल सरकार ने परमाणु ऊर्जा केंद्र की मांग नहीं की है, लेकिन केंद्र सरकार से अपील की है कि वे राज्य के थोरियम भंडार का इस्तेमाल करें। केरल में परमाणु ऊर्जा केंद्र बनाने पर विचार किया जा रहा है। केरल के ऊर्जा मंत्री के कृष्णनकुट्टी ने तिरुवनंतपुरम में केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल खट्टर से मुलाकात की। इस मुलाकात के बाद ही ऐसी चर्चा है कि केंद्र सरकार राज्य में परमाणु ऊर्जा केंद्र स्थापित करने पर विचार कर सकती है। हालांकि इसके लिए राज्य सरकार को भूमि उपलब्ध करानी होगी। केरल के ऊर्जा मंत्री ने केंद्रीय ऊर्जा मंत्री को एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें उन्होंने राज्य में थोरियम भंडार का इस्तेमाल कर बिजली उत्पादन करने की अपील की ताकि केरल के बिजली मिल सके। राज्य के ऊर्जा विभाग के अधिकारियों ने बताया कि केरल सरकार ने परमाणु ऊर्जा केंद्र की मांग नहीं की है, लेकिन केंद्र सरकार से अपील की है कि वे राज्य के थोरियम भंडार का इस्तेमाल करें। केरल में बिजली संकट गहरा रहा है और राज्य सरकार बिजली के लिए अपने हाइड्रो इलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट्स और पड़ोसी राज्यों से खरीदी जाने वाली बिजली पर ही निर्भर है। हालांकि राज्य में बिजली की खपत बढ़ती जा रही है। यही वजह है कि राज्य सरकार ने बिजली के विकल्प तलाशने शुरू कर दिए हैं। हालांकि अभी केरल में परमाणु ऊर्जा केंद्र की मंजूरी के लिए कई अध्ययन होंगे और उसके बाद ही तय होगा कि परमाणु ऊर्जा केंद्र बनेगा या नहीं। साल 2030 तक केरल में बिजली की मांग बढ़कर 10 हजार मेगावाट हो सकती है।

बॉलीवुड/टैली मसाला

वायरल हो रहा पत्नी के साथ एस एस राजामौली का डांस मूव्स, फैंस बोले- 'बहुत वफादार हैं

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली । निर्देशक और पटकथा लेखक एस एस राजमौली का डांस सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में उनकी पत्नी भी नजर आ रही हैं। निर्देशक और पटकथा लेखक एस एस राजमौली अपनी तेलुगु फिल्मों के कारण चर्चा में रहते हैं। उनका एक वीडियो इन दिनों सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें निर्देशक अपनी पत्नी के साथ एक वीडियो में डांस करते नजर आ रहे हैं।रेड्डिट पर वायरल हो रहे इस वीडियो में एस एस राजमौली अपनी पत्नी के साथ वीडियो में डांस कर रहे हैं। इस वीडियो को उनके प्रशंसक बहुत पसंद कर रहे हैं। एक प्रशंसक ने लिखा, ठवह उ.ध्ं..ऊ. हैं। वह अपनी पत्नी के प्रति बहुत वफादार हैं और अपने काम पर बहुत ध्यान केंद्रित करते हैं।ठ एक अन्य ने लिखा, ठआदमी के पास कुछ मूव्स हैं, यार। अगर आप उनकी बैंक स्टोरी जानते हैं, तो यह और भी प्यारा और अधिक संपूर्ण है।वर्कफ्रंट की बात करें तो वह अपनी अगली फिल्म 'एसएसएमबी 29'' में बिजी है। फिल्म में महेश बाबू नजर आएंगे। इस फिल्म की शूटिंग अफ्रीका के जंगल में सेट किया जा सकता है। फिल्म में महेश बाबू का किरदार हिंदू देवता भगवान हनुमान से प्रेरित है इसलिए राजामौली की अगली निर्देशित फिल्म में अभिनेता का नया लुक देखना दिलचस्प होगा। उन्होंने इस फिल्म का लुक साझा किया है। 25 से अधिक फिल्मों में दिखाई दिए हैं।एसएस राजामौली ने 'छत्रपति', 'विक्रमारकुडु', 'यामाडोंगा', 'मगधीरा' और 'मर्यादा रमन्ना' जैसी फिल्में की हैं। 'ईगा' के बाद राजामौली 'बाहुबली', 'बाहुबली 2' और 'आरआरआर' जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्में बना चुके हैं। साल 2016 में राजामौली को सरकार ने पद्मश्री से सम्मानित किया था। उन्हें नेशनल फिल्म अवॉर्ड, तीन फिल्मफेयर अवॉर्ड, नंदी अवॉर्ड आदि से भी सम्मानित किया जा चुका है।

अमिताभ बच्चन ने ट्विट की पंकज झा की कविता, अभिनेता ने साझा की अपनी खुशी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली । अमिताभ बच्चन हमेशा ही अपने सह-कलाकारों का हौसला बढ़ाते हैं। हाल ही में एक्टर पंकज झा ने बताया कि उनकी लिखी कविता की एक किताब 'अज्ञात से ज्ञात की ओर' की कुछ पक्तियां अमिताभ ने अपने सोशल मीडिया अकांउट के जरिए साझा की है। इस बात से पंकज झा काफी खुश हैं। एक्टर पंकज झा सिर्फ एक कलाकार ही नहीं, वह एक बेहतरीन राइटर भी हैं। उन्होंने एक पुस्तक 'अज्ञात से ज्ञात की ओर' लिखी है। इस पुस्तक में सुंदर कविताओं का संकलन है। यही पुस्तक पंकज झा ने अमिताभ बच्चन को भेंट की थी। इसी कविता की पुस्तक से अमिताभ बच्चन ने कुछ पक्तियां अपने सोशल मीडिया अकांउट ट्विटर पर शेयर की है। इस बात को पंकज ने अपने शुभचिंतकों, फैंस के साथ साझा किया है। पंकज झा की पुस्तक 'अज्ञात से ज्ञात की ओर' की ये पक्तियां अमिताभ बच्चन ने सोशल मीडिया पर साझा की हैं। ये पक्तियां हैं- 'बात ये नहीं कि कौन कितने पानी में है, बात तो ये है कि सभी पानी में हैं।' इन पक्तियों को साझा करने के साथ अमिताभ बच्चन ने यह भी बताया है कि पंकज झा के साथ काम करने का अवसर मिला और उनकी किताब के कुछ विचार वह साझा कर रहे हैं। बतौर कलाकार अमिताभ बच्चन ने साबित कर दिया कि वह अपने सह कलाकारों की प्रतिभा को कितना सराहते हैं और उन्हें प्रोत्साहित करते हैं।अमिताभ बच्चन द्वारा अपनी कविता यूं सोशल मीडिया पर पोस्ट किए जाने पर पंकज काफी खुश हैं। उन्होंने भी अपने इंस्टाग्राम अकांउट पर अमित जी को शुक्रिया है। इंस्टाग्राम पर पंकज झा के जानकार लोगों और फैंस ने भी उन्हें इस बात की बधाई दी है, साथ ही उनकी पुस्तक और कविता की तारीफ भी की है।पंकज झा ने बॉलीवुड फिल्मों में कई सहायक भूमिका की हैं, जिनमें नेगेटिव रोल भी शामिल रहे। लेकिन पंकज झा मशहूर पंचायत सीरीज में एमएलए चंद्रकिशोर का किरदार निभाकर मशहूर हुए। इस किरदार में दर्शकों ने उन्हें काफी पसंद किया। वह मिर्जापुर सीरीज में भी नजर आए। आगे भी अलग तरह की भूमिकाएं करना चाहते हैं, बतौर कलाकार चुनौतियां स्वीकार करना चाहते हैं।

बेटी लारा के जन्म के बाद बेहद भावुक हो गए थे वरुण धवन, बोले- जब एक आदमी पिता बनता है

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली । बॉलीवुड अभिनेता वरुण धवन ने हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान बताया कि जब उनकी बेटी लारा का जन्म हुआ था और वह पिता बने थे तो उसके बाद उनकी जिंदगी में क्या बदलाव आए हैं।बॉलीवुड अभिनेता वरुण धवन और नताशा दलाल ने जून 2024 में अपनी पहली संतान बेटी लारा का स्वागत किया। तब से, वरुण अपने काम और पालन-पोषण के बीच के संतुलन बनाने में व्यस्त हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान वरुण ने पिता बनने के बाद के अपने अहसास और जिम्मेदारियों को लेकर खुलासा किया। इन दिनों वरुण धवन फिल्म बेबी जॉन को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, हाल ही में वरुण ने बताया कि एक लड़की के पिता बनने के बाद उनका जीवन कैसे बदल गया है। उन्होंने कहा कि जब कोई पिता बनता है, तो उसकी सोच पूरी तरह से बदल जाती है। वरुण ने कहा, ठजिस पल नताशा ने लारा को जन्म दिया, मेरे शरीर और आत्मा में पहला विचार यह आया- मैं अपने पिता के साथ इतना बुरा कैसे हो सकता हूं।बेबी जॉन के प्रमोशन के दौरान एक इंटरव्यू के दौरान वरुण धवन से पूछा गया कि एक बेटी का पिता होने के बाद जीवन कैसा होता है तो वरुण ने कहा, ठबेहद खास होता है एक पिता बनना, खासकर जब एक आदमी एक बेटी का पिता बनता है। वो बहुत ही अलग अहसास होता है। पूरा इंसान हिल जाता है, यह महसूस करते हुए कि आपकी सोच पूरी तरह से बदल जाती है। आपके दिमाग में आने लगती हैं।वरुण ने आगे कहा, ठजिस वक्त नताशा ने लारा को जन्म दिया, पहला विचार जो मेरे दिमाग और आत्मा में आया वह था- मैं अपने पिता के प्रति बुरा कैसे हो सकता हूं? कोई अपनी मां के साथ बुरी तरह कैसी बात कर सकता है, जिन्होनें 9 महीने मुझे पाला-खासकर यह देखने के बाद कि नताशा ने मेरे बच्चे के लिए क्या किया है।ठ वरुण ने आगे कहा कि यह एक पागलपन भरा और अद्भुत अनुभव था। बेटी होने से उन्हें जीवन के बारे में बहुत कुछ सीखने को मिला और उन्हें पता चला कि एक पुरुष होने का क्या मतलब है। उन्होंने बताया कि उनकी फिल्म का डायलॉग, आ अब हाथ लगा के दिखा मेरी बेटी को।ङ्क सीधे उनके दिल से निकला था। काम की बात करें तो वरुण धवन, बेबी जॉन में नजर आएंगे। फिल्म में वरुण के अलावा वामिका गब्बी , कीर्ति सुरेश, जैकी श्रॉफ, सान्या मल्होत्रा और राजपाल यादव भी मुख्य भूमिकाओं में दिखाई देंगे। कलीज द्वारा निर्देशित यह फिल्म 25 दिसंबर, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

बड़ा खुलासा गली मोहल्ले के दोस्तों संग बनाया गैंग

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली । कॉमेडियन सुनील पाल और अभिनेता मुश्ताक खान अपहरण मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। मुख्यारोपी लवी पाल ने गली मोहल्ले के दोस्तों के साथ गैंग बनाया। इसके बाद नेटवर्क बॉलीवुड तक फैलाया गया। बिजनौर की गली मोहल्ले के अधिकांश कम पढ़े लिखे दोस्तों का गिरोह बनाकर मुख्यारोपी लवी पाल ने मुंबई के बॉलीवुड तक नेटवर्क फैला दिया। आरोपी छोटे कलाकारों को कार्यक्रम में आमंत्रित कर दिल्ली एयरपोर्ट बुलाते और उन्हें अगवा कर दो से पांच लाख रुपये तक की फिरौती वसूल लेते थे। गिरोह में छह महीने पहले बीएएलएलबी शशांक चौधरी की एंट्री हुई तो बड़े कलाकारों को अगवा करने की लिस्ट तैयार कर ली गई।गिरोह ने अभिनेता अरुण बख्शी, राजेश पुरी, मुश्ताक, सुनील पाल को अगवा कर वसूली की। अगला नंबर अभिनेता शक्ति कपूर का था। कॉमेडियन सुनील पाल की फिल्म 'कॉफी विद अलोन' में गिरोह का मास्टरमाइंड लवी पाल अपनी पत्नी गुड्डी के साथ मुंबई में गया था। लवी पाल के पिता जयपाल की 20 साल पहले मौत हो गई थी। मां और चाचा ने उसकी परवरिश की। वह बहुत शातिर है और बचपन से ऊंचे सपने देखकर लोगों को ठग लेता था। लवी पाल ने परिवार के लोगों को भी धोखा दिया। वर्ष 2016 में लवी पाल मुंबई में घूमने चला गया, जहां पर करीब दो-तीन महीने रुका। इस दौरान उसकी मुलाकात बॉलीवुड के कई कलाकारों से हुई। शुरुआत में लवी पाल के गैंग में आजिम, सबीउद्दीन, अर्जुन और एक रिश्तेदार था। 6 माह पूर्व जनकपुरी गाजियाबाद निवासी शशांक से लवी पाल की मुलाकात हुई। मेरठ व बिजनौर पुलिस की पूछताछ में आरोपियों ने फर्जी इवेंट कंपनी की आगे एक साल की योजना के बारे में बताया है। कलाकार भी बदमाशों से छुटकारा पाने के बाद पुलिस को घटनाक्रम के बारे में नहीं बताते थे। यही वजह है कि फर्जी इवेंट कंपनी का नेटवर्क बढ़ता चला गया।

कौन हैं आशिका भाटिया फिल्मी करियर, पर्सनल लाइफ से लेकर नेट वर्थ तक

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली । आशिका भाटिया टीवी की मशहूर अभिनेत्रियों में से एक हैं। आज वह अपना 25वां जन्मदिन मना रही हैं। अभिनेत्री का जन्म 15 दिसम्बर 1999 को सूरत, गुजरात में हुआ। अभिनेत्री को सोनी टीवी के शो 'परवरिश-कुछ खट्टी कुछ मीठी' में गुणवंत कौर अहलूवालिया के लिए पहचाना जाता है। वह सलमान खान की फिल्म 'प्रेम रतन धन पायो' में उनकी छोटी बहन का भी किरदार निभा चुकी हैं। आशिका अभिनेत्री के साथ-साथ एक सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर भी हैं। आइए अभिनेत्री की जिंदगी से जुड़ी कुछ महत्वपूर्ण बातों को जानते हैं। अभिनेत्री आशिका भाटिया आज अपना 25वां जन्मदिन मना रही हैं। आइए इस मौके पर उनसे जुड़ी कुछ महत्वपूर्ण जानकारियों को जानते हैं। आशिका के करियर की शुरुआत 'मीरा' नाम के शो से हुई थी। उन्होंने इंडस्ट्री में एक बाल कलाकार के रूप में कदम रखा। उन्होंने 9 साल की उम्र में डेब्यू किया था। अपने करियर पर ध्यान केंद्रित करने के लिए उन्होंने स्कूल भी छोड़ दिया। आशिका ने लगभग 12 किलो वजन कम करते हुए गजब का ट्रांसफॉर्मेशन भी किया है। आशिका भाटिया 'बिग बॉस ओटीटी 2' में भी नजर आ चुकी हैं। उन्होंने इस शो में वाइल्डकार्ड कंटेस्टेंट्स के तौर पर एंट्री ली थी। उन्होंने अपने बेबाक बोल और सिंपल गेम से फैंस का दिल जीत लिया था। गुजरात के सूरत में जन्मी आशिका के पिता राकेश भाटिया एक बिजनेसमैन थे। उनकी मां मीनू भाटिया एक सैलून चलाती हैं। हालांकि, अभिनेत्री के माता पिता अलग हो गए थे और वह अपनी मां के साथ रहती हैं। आशिका के पिता का निधन 25 नवंबर 2024 को हो गया। आशिका भाटिया अभिनेत्री के साथ-साथ सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर भी हैं। सोशल मीडिया पर उनकी अच्छी खासी फैन फॉलोइंग है। इंस्टाग्राम पर उनके 6.4 मिलियन फॉलोअर्स हैं। आशिका के नेट वर्थ की बात की जाए तो मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यह 14 करोड़ रुपये है।

अनीस ने सिनेमाई सफर के 45 साल पूरे होने का मनाया जश्न, भूल भुलैया 3 की स्टारकास्ट भी शामिल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली । सिनेमाई सफर के 45 साल पूरे होने पर निर्देशक अनीज बज्मी ने इसका जश्न मनाया। इस सेलिब्रेशन पार्टी में गोविंदा, कार्तिक आर्यन, माधुरी दीक्षित, अनिल कपूर, तृप्ति डिमरी, अर्जुन कपूर और बॉलीवुड की तमाम हस्तियों ने शिरकत की।अनीस बज्मी बॉलीवुड फिल्म इंडस्ट्री में एक जाना-माना नाम हैं और उन्हें आज वह किसी परिचय के मोहताज नहीं हैं। निर्देशक ने अपने करियर में कई हिट फिल्में दी हैं। हाल ही में रिलीज हुई उनकी फिल्म भूल भुलैया 3 ने बॉक्स ऑफिस पर अपनी आपार सफलता से कई इतिहास रचे। फिल्म इंडस्ट्री में 45 साल पूरे होने पर अनीज बज्मी ने मुंबई में एक शानदार पार्टी का आयोजन किया, जिसमें बॉलीवुड की तमाम हस्तियों ने शिरकत की। शनिवार को अनीज ने अपने सिनेमाई सफर के 45 साल पूरे होने का जश्न मनाया। इस जश्न में कार्तिक आर्यन, अर्जुन कपूर, सलमान खान, सुहाना खान समेत कई हस्तियां एक साथ नजर आईं। सोशल मीडिया पर इसके वीडियो खूब जमकर वायरल हो रहे हैं। गोविंदा, कार्तिक आर्यन, माधुरी दीक्षित, अनिल कपूर, तृप्ति डिमरी, अर्जुन कपूर, सुष्मिता सेन, हुमा कुरेशी, साजिद नाडियावाला, जैकी श्रॉफ, सुहाना खान, बॉबी देओल, मलायका अरोड़ा, अनिल कपूर, अदिति राव हैदरी, सिद्धार्थ, दीया मिर्जा जैसी तमाम नामचीन हस्तियों ने इस पार्टी की शोभा बढ़ाई।भूल भुलैया 3 की बात करें तो इस हॉरर कॉमेडी में विद्या बालन, माधुरी दीक्षित और तृप्ती डिमरी ने मुख्य भूमिकाओं से दर्शकों का दिल जीता। भूल भुलैया की तीसरी फ्रैंचाइजी को दर्शकों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली, जिसने भारतीय बॉक्स ऑफ़िस पर 400 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई की है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान निर्देशक अनीस बज्मी ने हॉरर-कॉमेडी भूल भुलैया 4 में अक्षय कुमार की वापसी की संभावना पर विचार किया। उन्होंने कहा कि यह एक रोमांचक सहयोग होगा।

दिलजीत ने चेस चैंपियन गुकेश को समर्पित किया चंडीगढ़ कॉन्सर्ट, पुष्पा 2 के इस डायलॉग पर ली चुटकी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली । पंजाबी गायक दिलजीत दोसांझ इन दिनों दिल-लुमिनाटी टूर को लेकर चर्चा में हैं। कल शनिवार 14 दिसंबर को उन्होंने चंडीगढ़ में कॉन्सर्ट किया। इस दौरान वे 'पुष्पा 2' का जिक्र करते नजर आए।लोकप्रिय गायक दिलजीत दोसांझ दिल-लुमिनाटी टूर पर हैं। वे अलग-अलग शहरों में कॉन्सर्ट कर रहे हैं, जहां उन्हें सुनने वालों की अपार भीड़ उमड़ रही है। अपने कॉन्सर्ट शो में दिलजीत अपनी गायिकी से तो समां बाध ही रहे हैं, साथ ही वे कई मजाकिया बातों से भी फैंस का मनोरंजन करते दिखते हैं। हाल ही में वे चंडीगढ़ कॉन्सर्ट के दौरान फिल्म 'पुष्पा 2' का डॉयलॉग अपने अंदाज में बोलते दिखे। गायक ने अपना यह कॉन्सर्ट इंटरनेशनल चेस फेडरेशन वर्ल्ड चेस चैंपियन डी गुकेश को समर्पित किया है। शनिवार को चंडीगढ़ में अपने कॉन्सर्ट के दौरान दिलजीत ने कहा कि वे अपना यह शो गुकेश को डेडिकेट करना चाहते हैं, जिन्होंने सबसे युवा शतरंज का विश्व चैंपियन बनकर इतिहास रच दिया है। इस दौरान वे गुकेश की तारीफ करते दिखे। दिलजीत ने शो के दौरान कहा, 'आज का शो विश्व शतरंज चैंपियन गुकेश को समर्पित है। क्या आप जानते हैं कि यह उन्हें क्यों समर्पित है? क्योंकि आप जीवन में जो भी सोचते हैं, वह बनते हैं। उन्होंने पहले से ही विश्व चैंपियन बनने के बारे में सोचा और बन गए। दिक्कतें तो आती हैं, मैं भी रोज समस्याओं से दो-चार होता हूं, लेकिन जो चुनौतियों का सामना करना जानता है, वह मंजिल तक पहुंच जाता है'।दिलजीत दोसांझ ने कॉन्सर्ट में गुकेश के बाद अल्लू अर्जुन अभिनीत फिल्म 'पुष्पा 2' का जिक्र किया और फिल्म का एक चर्चित संवाद बोलते दिखे।

जब मोहम्मद रफी को गाने के लिए नेहरू ने अपने घर बुलाया, बेहद दिलचस्प है किस्सा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली । मोहम्मद रफी के 100वीं जयंती पर आज हम आपको उनके और भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू से जुड़े दिलचस्प किस्से बताने जा रहे हैं।मोहम्मद रफी की आज (24 दिसंबर, 2024) को 100वीं जयंती है। इस खास मौके पर हम उनके जीवन से जुड़ा दो खास किस्सा साझा कर रहे हैं। मोहम्मद रफी जैसी अद्भुत प्रतिभा संगीत की दुनिया में बहुत कम ही देखने को मिलती है। महानगरी में कई गायक आए और गए, लेकिन रफी साहब की आवाज और उनका संगीत अब तक जिंदा है और सदियों तक ऐसे ही रहेगा। रफी साहब से जुड़ी कई दिलचस्प कहानियां हैं, लेकिन भारत के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू से जुड़े दो किस्से ऐसे हैं, जिसे कम ही लोग जानते हैं। आपको जानकर हैरानी होगी कि साल 1948 में रफी साहब का गाना इतना ज्यादा लोकप्रिय हुआ था कि इसे सुनने के लिए तत्कालीन प्रधानमंत्री ने रफी साहब को अपने घर पर बुला लिया था। यह गाना 'सुनो सुनो ऐ दुनिया वालों बापूजी की अमर कहानी' था, जो बेहद लोकप्रिय हुआ। इसे राजेंद्र कृष्णा ने लिखा था। यह गाना इतना ज्यादा लोकप्रिय हुआ कि उन्हें प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के घर में इसे गाने का मौका मिला था। इसके अलावा जवाहर लाल नेहरू से जुड़ा एक और किस्सा काफी मशहूर है।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।